Email : railsamacharbureau@rediffmail.com, website: www.railsamacharbureauald.com

रेल समाचार ब्यूरो

भारतीय रेल देश की जीवन रेखा है, इसका आधुनिकीकरण हमारी प्राथमिकता है

R.N.I No. 51097/90 DN/XXX/18-20 Post AD No. 8

सम्पूर्ण रेल जगत का प्रथम पाक्षिक

अपने शुभचिंतको को घर पर ही विदा करें, प्लेटफार्म पर नहीं

हमें रेलवे की तस्वीर और बेहतर बनानी होगी

वर्ष २८ अंक १३-१४ इलाहाबाद रेल समाचार ब्यूरो ०१-३१ जुलाई २०१८ (संयुक्तअंक) पृष्ठ १२ मूल्य:१०+०५ रु.मात्र

पिछले चार वर्षों में रेल मंत्रालय की उपलब्धियां और पहल

'साफ नीयत, सही विकास' के दर्शन को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा को भारतीय रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता

प.सू.का./नई दिल्ली। केंद्रीय रेल एवं कोयला मंत्री पीयूष गोयल ने अपने प्रभार वाले मंत्रालयों की चार वर्षीय उपलब्धियों के बारे में मीडिया को जानकारी दी। गोयल के साथ संचार राज्य मंत्री (स्वयंत्र प्रभार) एवं रेल राज्य मंत्री मनोज सिन्हा और रेल राज्य मंत्री राजन गोहेन (गुवाहाटी वीसी लिंक के माध्यम से) और रेलवे बोर्ड के चेयरमैन अश्विनी लोहानी भी इस अवसर पर जुड़े रहे। गोयल ने १२ शहरों यथा अहमदाबाद, भोपाल, चेन्नई, गुवाहाटी, इम्फाल, जयपुर, कोलकाता, लखनऊ, पुणे, पटना, रायपुर एवं रांची में मौजूद मीडिया के साथ भी वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से बातचीत की। मंत्री महोदय ने इस विशेष अवसर पर पिछले ४ साल की उपलब्धियों वाली पुस्तिका (बुकलेट) का विमोचन किया।

इस विशेष अवसर पर दो मोबाइल एप 'रेल मदद' और 'मेन्यू आन रेल्स' भी लान्च किए गए। पीयूष गोयल ने महात्मा गांधी, जिनकी १५०वीं जयंती वर्ष २०१९ में मना जाएगी, से अत्यंत प्रेरित माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में राष्ट्र की सेवा के संकल्प को दोहराया। पिछले चार वर्षों में सरकार ने 'साफ नीयत, सही विकास' के दर्शन को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा को भारतीय रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता बना दिया है। सुरक्षा अब सर्वोच्च प्राथमिकता हो गई है और इसके परिणामस्वरूप ट्रेन दुर्घटनाएं वर्ष २०१३-१४ के ११८ से घटकर वर्ष २०१७-१८ में ७३ रह गईं। इस तरह ट्रेन दुर्घटनाएं घटकर ६२ प्रतिशत के स्तर पर आ गईं। १ लाख करोड़ रुपये के राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष (आरआरएसके) फंड को ५ वर्षों में सुरक्षा खर्च के लिए आवंटित किया गया है। असुरक्षित रेलवे क्रासिंग की समस्या से युद्ध स्तर पर निपटने के लिए पिछले चार वर्षों में ५,४७६ मानव रहित रेलवे क्रासिंग को समाप्त किया गया है। सुरक्षा में बेहतरी सुनिश्चित करने के लिए अन्य उपायों के तहत भर्ती के माध्यम से १.१ लाख सुरक्षा पद भी भरे जा रहे हैं।

'नए भारत' के लिए बुनियादी ढांचे की नींव रखकर पूंजीगत व्यय में व्यापक वृद्धि की गई है। पिछले ४ वर्षों में औसत वार्षिक पूंजीगत व्यय दरअसल वर्ष २००९-१४ के दौरान हुए औसत व्यय की तुलना में दोगुने से भी अधिक है। रेलवे अत्यंत तेज गति से पूरे भारत को जोड़ रही है। नई लाइनों को चालू करने की औसत गति में ५९ प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है जो ४.१ किमी (२००९-१४) से बढ़कर ६.५३ किमी प्रतिदिन (२०१४-१८) के स्तर पर पहुंच गई है।

उन्नयन और बेहतर बुनियादी ढांचे के लिए बेंगलुरु उपनगरीय प्रणाली (२०१८-१९ के बजट में १७,००० करोड़ रुपये) और मुंबई उपनगरीय प्रणाली (२०१८-१९ के बजट में ५४,७७७ करोड़ रुपये) हेतु व्यापक निवेश निर्धारित करने से भारत के शहरी क्षेत्रों में नियमित दैनिक यात्रियों की आवाजाही को काफी बढ़ावा मिला है। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एचएसआर) गति, सुरक्षा और सेवा के माध्यम से

भारत के परिवहन क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाएगी। एचएसआर परियोजना से 'मेक इन इंडिया' संबंधी लाभों के अलावा रेलवे लातूर, (मराठवाड़ा) महाराष्ट्र, न्यूं बोंगा गांव, असम; लुमडिंग, असम, झांसी, (बुंदेलखंड) उत्तर प्रदेश और सोनीपत, हरियाणा में अनेक आगामी परियोजनाओं के माध्यम से बड़े पैमाने पर रोजगार अवसर और आर्थिक विकास सृजित कर रही है। रेलवे ने विद्युतीकरण में छह गुना वृद्धि के साथ टिकाऊ रेल परिवहन की ओर अग्रसर होना शुरू कर दिया है। इसके तहत विद्युतीकरण को वर्ष २०१३-१४ के दौरान ६१० आरकेएम से बढ़ाकर वर्ष २०१७-१८ के दौरान ४,०८७ आरकेएम कर दिया गया। रेलवे ने वर्ष २०१७-१८ में १,१६२ एमटी और वर्ष २०१६-१७ में १,१०७ एमटी की सर्वाधिक माल ढुलाई के साथ देश की अर्थव्यवस्था को बेहतर ढंग से आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया है।

माल ढुलाई आमदनी भी पिछले साल की तुलना में अनुमानित १२ प्रतिशत बढ़कर वर्ष २०१७-१८ में लगभग १.१७ लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गई है। वर्ष २०१९-२० तक विभिन्न चरणों में समर्पित माल गलियारों (डेडीकेटेड फ्रेट कारीडोर) के चालू हो जाने से भी भारतीय अर्थव्यवस्था को काफी बढ़ावा मिलेगा।

डिजाइन में स्थानीय कला एवं संस्कृति को बढ़ावा देते हुए रेलवे एस्केलेटर, लिफ्ट, नि:शुल्क वाई-फाई इत्यादि सहित आधुनिक सुविधाएं स्थापित करके स्टेशनों का रूप-रंग पूरी तरह बदलने समेत यात्री सुविधाओं को बेहतरीन कर रही है। मार्च २०१९ तक ६८ रेलवे स्टेशनों में सुधार लाया जाना निर्धारित है। सरकार ने तेजस, अंत्योदय एवं हमसफर रेलगाड़ियों का परिचालन शुरू करने समेत रेलगाड़ियों एवं रेल डिब्बों को काफी सुधार दिया है।

यात्रियों की यात्रा एवं आराम संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति करते हुए त्योहारी मांग पूरी करने के लिए १.३७ लाख रेल सेवाओं के साथ पिछले चार वर्षों के दौरान ४०७ नई रेल सेवाएं आरंभ की गई हैं। खान-पान (केटरिंग) भी रेलवे का एक फोकस क्षेत्र रहा है जिसमें ३०० से भी अधिक रेलगाड़ियों में खाने-पीने की सभी वस्तुओं पर एमआरपी की प्रिंटिंग अनिवार्य कर दी गई है और इसके साथ ही गुणवत्ता एवं स्वच्छता में बेहतरी सुनिश्चित करने के लिए बेस किचनों में भोजन बनाने पर करीबी नजर रखने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टफिशियल इंटेलीजेंस) का उपयोग किया जा रहा है। बुनियादी ढांचे और सुरक्षा कार्यों को प्राथमिकता देने के कारण अल्पावधि में समय के पालन पर प्रभाव पड़ा है, लेकिन लंबी अवधि में इससे त्वदरित और सुरक्षित ट्रेन आवाजाही सुनिश्चित होगी।

रनिंग समय को कम करके और नियोजित रखरखाव ब्लाकों की अनुमति देकर ट्रेनों की समय-सारणी बेहतर कर दी गई है। ट्रेनों में किसी भी देरी के बारे में यात्रियों को सूचित करने के लिए १,३७३ ट्रेनों पर एसएमएस सेवाएं आरंभ की गई हैं। महात्मा गांधी की १५०वीं जयंती मनाने के लिए भारतीय रेल भी अपनी ओर से इसमें अहम योगदान दे रही है। साफ-सफाई, तीसरे या अन्यी पक्ष द्वारा स्वतंत्र सर्वेक्षणों सहित स्वच्छता, एकीकृत मशीनीकृत साफ-सफाई की शुरुआत, बायो-टायलेट, गंदगी साफ करने के लिए आटोमैटिक रेल-माउंटेड मशीन, इत्यादि पर प्रमुखता के साथ फोकस रहा है। भारतीय रेलवे ने डिजिटल पहलों और पारदर्शिता एवं जवाबदेही पर भी अपना ध्यान केंद्रित किया है। रिवर्स नीलामी नीति शुरू की जा रही है जिससे लगभग २०,००० करोड़ रुपये बचाने में मदद मिल सकती है। अनुसंधान डिजाइन एवं मानक संगठन में सरल अनुमोदन प्रक्रियाओं की बदौलत संबंधित प्रक्रिया में लगने वाली समयसीमा ३० माह से घटाकर ६ माह होगी है। १३ लाख से भी अधिक सदस्यों वाले रेल परिवार को सशक्त बनाने और उनका कौशल बढ़ाने के महत्व को ध्यान में रखते हुए निचले स्तर पर अधिकारों को सौंपने या हस्तांतरण करने सहित विभिन्न कदम उठाए गए हैं। वडोदरा में भारत का पहला राष्ट्रीय रेल और परिवहन विश्वविद्यालय अगस्त २०१८ में खुलने के लिए तैयार है। कर्मचारी सशक्तिकरण से लेकर कौशल बढ़ाने के नए अवसरों पर ध्यान केंद्रित करते हुए रेलवे अपने कार्यबल में एक नई ऊर्जा भर रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि रेलवे जीवन रेखा बन जाए और जो भारतीय अर्थव्यवस्था को नई ताकत दे सके और १.३ अरब भारतीयों की आकांक्षाओं को पूरा कर सके।

रेलवे में महिला एवं बच्चों की सुरक्षा के लिये सेमिनार का आयोजन

रे.स.ब्यू./संवा. जयपुर। रेलमंत्री द्वारा वर्ष २०१८ को महिला एवं बच्चों की सुरक्षा का वर्ष घोषित किया गया है जिसकी अनुपालना में दिनाँक २२.०६.२०१८ को उत्तर पश्चिम रेलवे प्रधान कार्यालय में अपर महाप्रबंधक/उपरे की अध्यक्षता में ''रेलवे में महिला एवं बच्चों की सुरक्षा'' को लेकर एक सेमिनार का आयोजन किया गया जिसमें प्रधान कार्यालय में कार्यरत महिला कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने भाग लिया। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जन सम्पर्क अधिकारी तरूण जैन के अनुसार सेमिनार में उपस्थित महिलाओं को महिला एवं बच्चों की सुरक्षा से जुड़े कानून के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही उनसे रेल यात्रा के दौरान एवं कार्यस्थल पर सुरक्षा सम्बन्धी समस्याएँ और सुझाव मांगे गए। विभिन्न महिला अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने महिलाओं एवं बच्चों से जुड़ी समस्याएँ बताई जिनका समाधान भी रेलवे द्वारा बताया गया और जिन समस्याओं का निवारण प्रधान कार्यालय स्तर पर नहीं हो सकता था उनको अग्रिम कार्यवाही हेतु नोट किया गया।

सेमिनार में उपस्थित महिलाओं द्वारा निम्नलिखित सुझाव दिए गएः- १. जयपुर-दिल्ली-जयपुर डबल डेकर एक्सप्रेस में महिलाओं के लिए एक विशेष कोच की व्यवस्था की जाए और सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएँ। २. स्टेशन से महिलाएँ रात को जब बाहर आती हैं तो घर जाने के लिए ऑटो/टैक्सी लेने में भय होता है। अतः रेलवे द्वारा कैब/ऑटो वालों से कॉलेबरेशन किया जाए ताकि रात को स्टेशन से घर तक बिना भय के पहुँचा जा सके । ३. रेलवे कॉलोनी में सुरक्षा हेतु सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएँ। ४. ट्रेन में अनाधिकृत व्यक्तियों के आने से भय होता है। इन्हें ट्रेन में आने से रोका जाए। ५. कई मुख्य स्टेशनों पर रेलवे महिला कर्मचारियों के लिए महिला शौचालय की व्यवस्था नहीं है। महिला शौचालय बनवाए जाने की आवश्यकता है। ६. रेल यात्रा के दौरान महिलाओं को बच्चों को स्तनपान के लिए अलग से स्थान उपलब्ध नहीं होता है। महिलाओं के लिए आरक्षित शौचालयों और ट्रेन के शौचालयों में सैनेटरी नैपकिन्स की सुविधा प्रदान की जाए। ७. रेल प्रशासन को सुझाव दिया गया कि चलती गाडी में महिलाओं को नियतिम अन्तराल पर उन्हें होने वाली असुविधाओं/समस्याओं को ट्रेन पर उपस्थित रेलवे कर्मचारी/रेसुब सदस्य द्वारा पूछा जाए।

हिन्दी भाषा रेल की भाषा
हिन्दी भाषा देश की भाषा

रेल बोर्ड के नए सदस्य (ट्रैफिक) गिरीश पिल्लाई ने संभाला कार्यभार

प.सू.का./नई दिल्ली। रेल बोर्ड के नए सदस्य ट्रैफिक गिरीश पिल्लई ने ०१ जुलाई, २०१८ को अपना कार्यभार संभाल लिया। पिल्लई इससे पहले पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर के महाप्रबंधक थे। पिल्लई १९८० बैच के भारतीय रेल यातायात सेवा (आईआरटीएस) के अधिकारी हैं। वह जनवरी १९८२ में भारतीय रेल में शामिल हुए।

गिरीश पिल्लई ने दिल्ली विश्वविद्यालय से एमएससी (गणित) तथा एम.फिल किया है। गिरीश पिल्लई ने भारतीय रेल में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। इनमें अपर सदस्य (पर्यटन और कैटरिंग) सलाहकार (अवसंरचना) रेल बोर्ड, मुख्य संचालन प्रबंधक पश्चिम रेलवे, मंडलीय रेल प्रबंधक, मुंबई मंडल, पश्चिम रेलवे कार्यकारी निदेशक (नियोजन), रेल बोर्ड मुख्य यात्री परिवहन मैनेजर, पश्चिम रेलवे, मुख्य यातायात नियोजन प्रबंधक, पश्चिम रेलवे तथा सेंट्रल स्टाफिंग योजना के अंतर्गत समुद्र विकास विभाग में निदेशक तथा क्षेत्रीय रेलों में विभिन्न पद शामिल हैं।

गिरीश पिल्लई को भारतीय रेल के विभिन्न विभागों का अच्छा ज्ञान और अनुभव है, इनमें कारपोरेट प्लान, नीति तथा नियोजन विषय, अंतर्राष्ट्रीय समझौते तथा प्रोटोको, परियाजना विकास तथा संबंधित अध्ययन, भारतीय रेल की प्रमुख संरचना योजनाओं का नियोजन, रेलवे के लिए पंचवर्षीय योजना, डेडीकेटेड फ्रेट कारिडोर परियोजना, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, भारतीय रेलवे में सावर्जनिक-निजी भागीदारी और एफडीआई शामिल हैं।

उमरे,चिकित्सालय में सेमी आईसीयू वार्ड जल्द

एनसीआरईएस पदाधिकारियों को मिली खामियां

रे.स.ब्यूरो/संवा. इलाहाबाद। उत्तर मध्य रेलवे के केन्द्रीय चिकित्सालय में बनकर तैयार सेमी आईसीयूवार्ड जल्द ही चालू होने की उम्मीद है। शनिवार दिनांक ०७.०७.२०१८ को एनसीआरईएस के मंडल मंत्री, जावेद आलम अन्य पदाधिकारियों के साथ चिकित्सा निदेशक डा. विनीत अग्रवाल और डिप्टी सीएमडी ने उमरे केन्द्रीय चिकित्सालय का करीब दो घंटे मुआयना किया, इस दौरान पुरुष सर्जिकल वार्ड में चार-पांच दिन से चादर नहीं बदलने की शिकायत मरीजों ने की एवँ टूटी पलंगों और गद्दों की हालत बद्तर मिली। इसके साथ ही पुराने दवा भण्डार में बिना एसी के दवाएं और सर्जिकल आइटम रखी पाई गयीं। इस पर वहां जल्द ही पर्याप्त व्यवस्था करने को कहा गया, लोकल पर्चेज की दवाओं के मिलने कि दुशवारियों को दूर करने,एवं मरीज का ब्योरा कम्प्यूटर पर २४ घंटे के बजाए ७२ घंटे तक रखने की भी यूनियन द्वारा मांग की गई, इसके अलावा कई अन्य समस्याओं को जल्द दूर करने का आश्वासन चिकित्सकों ने दिया ।

N.F. Railway to install lifts and escalators across the zone for passenger convenience

RSB/Maligaon: In what would be a new milestone in passenger amenity N.F. Railway would be providing lifts in many important stations across the zone.In the first phase, as many as 7 lifts would be provided, which are targeted for commissioning by September, 2018.Of these, 2 lifts will be provided at New Jalpaiguri, 1 at Katihar, 1 at New Coochbehar, 3 at Guwahati, 2 at Lumding & 1 at Tinsukia.In the second phase as many as 12 lifts are planned to be provided, which are targeted for commissioning by October, 2018.Of these, 2 lifts will be provided at Kishanganj, 2 at Katihar, 2 at New Cooch behar, 3 at Guwahati, 2 at Kamakhya, 2 at Lumding, 1 at Tinsukia & 2 at Dibrugarh. Railway Board has also sanctioned 24 another lifts which are to be provided at important stations of the zone. These lifts which would facilitate the movement of passengers from the platform level to the Foot Over Bridge. They would be very useful for aged and Divyang passengers who find in difficult to climb the steps in order to cross over from one platform to another. The lifts would be having capacity of 11 persons & would be functional round the clock with uninterrupted power supply. It is also to be mentioned that while 2 escalators are functional in N.F. Railway, 1 at Guwahati & 1 at New Jalpaiguri the zone is planning to provide another 18 escalators in different stations. Of these 2 would be provided at New Jalpaiguri, 2 at New Cooch behar, 2 at Rangiya, 2 at Guwahati, 2 at Katihar, 2 at New Tinsukia, 2 at Kishanganj, 2 at Lumding & 2 at Kamakhya Stations.All the escalators are targeted for commissioning by December, 2018.

शिक्षा से अच्छे व्यवहार, चरित्र, कार्य कुशलता का निर्माण हो-उपराष्ट्रपति

प.सू.का./नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने देश के सभी विश्वविद्यालयों से आग्रह किया है कि वे विज्ञान और प्रौद्योगिकी समेत सभी विषयों का शिक्षण मातृभाषा में दें। वे पुडुचेरी में पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय के छात्रों को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर पुडुचेरी की उप-राज्यपाल डा. किरण बेदी, मुख्यमंत्री वी. नारायणसामी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

उपराष्ट्रपति ने शिक्षण की प्रणालियों में बदलाव लाने का आग्रह किया, ताकि छात्रों की छिपी हुई प्रतिभा को सामने लाया जा सके। विश्वविद्यालयों को शोध व नवोन्मेष में विश्वस्तरीय केन्द्र बनाया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों को अपनी कार्य पद्धति का मूल्यांकन करना चाहिए और उन क्षेत्रों की पहचान करनी चाहिए, जिनमें सुधार और परिवर्तन की आवश्यकता है। हमें उत्पादकता, कार्य कुशलता और प्रभावशीलता को बढ़ाना चाहिए और हमारी कार्य पद्धति को अधिक पारदर्शी, जन अनुकूल तथा उत्तरदायी बनाया जाना चाहिए।

उपराष्ट्रपति ने मानव संसाधन की क्षमता के उपयोग की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि लोगों के पास २१वीं शताब्दी के विश्व के अनुरूप ज्ञान और कार्य कुशलता होनी चाहिए। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके लिए नये उद्यमों को शुरू करने तथा नई नौकरियों के स जन के लिए पर्याप्त अवसर हों। उपराष्ट्रपति महोदय ने कहा कि विश्वविद्यालयों का यह दायित्व है कि वे नये पाठ्यक्रम प्रारंभ करें तथा शिक्षण व ज्ञान प्राप्ति प्रक्रिया को बेहतर बनाएं, ताकि छात्र इन चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हों।

उन्होंने आगे कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों से उत्तीर्ण होने वाले छात्रों में रोजगार के अनुरूप कार्य कुशलता होनी चाहिए।शिक्षा को सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन का उपकरण बताते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से व्यक्ति का सर्वश्रेष्ठ सामने आना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा ज्ञान प्राप्ति की सतत प्रक्रिया है और शैक्षणिक डिग्री हासिल करने के साथ ही यह प्रक्रिया समाप्त नहीं होती।

शिक्षा व्यक्ति को नैतिक मूल्य प्रदान करती है, जिससे उसका सर्वांगीण विकास होता है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि ज्ञान प्राप्ति से लगाव और समाधानों की खोज को प्रत्येक स्कूल और विश्वविद्यालय की शिक्षा प्रणाली का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय विश्वविद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने की अत्यंत आवश्यकता है। स्कूलों और उच्च शिक्षा संस्थानों को ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए कि छात्रों की पहुंच नये संसाधनों तक हो और वे अपने ज्ञान को अद्यतन कर सकें।

राबर्टगंज रेलवे स्टेशन का नाम अब सोनभद्र

रे.स.ब्यू./संवा.लखनऊ। राबर्टगंज रेलवे स्टेशन अब सोनभद्र रेलवे स्टेशन के नाम से जाना जाएगा। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि राबर्टगंज स्टेशन का नाम सोनभद्र रखने के लिए जनता काफी समय से मांग कर रही थी। अतः सरकार ने जनभावनाओं का सम्मान करते हुए राबर्टगंज रेलवे स्टेशन का नाम सोनभद्र रेलवे स्टेशन कर दिया गया है।

सतर्कता एवं मुस्तैदी को ट्रैकमैंन बलवंत हुए सम्मानित

प.सू.का./नई दिल्ली। पश्चिम रेलवे, रतलाम डिविजन के ट्रैकमैन बलवंत को रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष अश्वनी लोहानी ने रेल भवन में सम्मानित किया। बलवंत ने रतलाम संभाग में थांडला-बजरंग गढ़ स्टेशन पर पुल के गिरते रोड़ा को देखकर एक गंभीर दुर्घटना को टाल दिया था। उनका मनोबल बढ़ाने और उनकी प्रशंसा के तौर पर उन्हें एक प्रशस्ति पत्र और ५००० रुपये का नकदी पुरस्कार दिया गया। बलवंत और उनके परिवार को फर्स्ट क्लास एसी यात्रा पास और नई दिल्ली में ठहरने के लिए एसी आवास दिया गया। पहली जुलाई, २०१८ की शाम लगभग ७ बजे बलवंत अपनी ड्यूटी पूरी कर अपने मुख्यालय लौट रहे थे। उन्होंने थांडला और बजरंग गढ़ स्टेशनों के बीच पुल संख्या १७८ (१८.३ मीटर लंबा) के रोड़े गिरते देखा। उन्होंने बड़ी से तत्काल रेल की पटरियों को भारी क्षति से बचा लिया और फिर अपने वरिष्ठ अधिकारी सीनियर सेक्शन इंजीनियर/पाथवे को इस बारे में बताया। इस प्रकार बलवंत की सतर्कता और मुस्तैदी से एक गंभीर दुर्घटना टल गई।

कानपुर-दिल्ली के बीच हवाई उड़ान सेवा शुरु

लखनऊ : कानपुर-दिल्ली के बीच हवाई उड़ान सेवा का शुभारम्भ जुलाई, ०३.०७.२०१८ को हुआ। यह सेवा भारत सरकार की उड़ान योजना के तहत प्रारम्भ की गयी है। इस योजना के अन्तर्गत अब तक देश के ५० शहरों को हवाई सेवा से जोड़ा गया है। कानपुर-दिल्ली के बीच हवाई उड़ान सेवा स्पाइस जेट द्वारा शुरु की गयी है। इस अवसर पर कानपुर एयरपोर्ट पर आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विकास के लिए हवाई कनेक्टिविटी अपरिहार्य बन गयी है। कानपुर जैसे औद्योगिक शहर को इसकी बहुत आवश्यकता थी। इस सेवा के प्रारम्भ हो जाने से यहां के विकास को गति मिलेगी। इस सेवा के शुरू होने के साथ ही, कानपुरवासियों का एक सपना आज पूरा हुआ है। केन्द्रीय नागर विमानन मंत्री सुरेश प्रभु का ध्यान आकर्षित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि घरंलू उड़ान के लिए हिंडन/जेवर एयरपोर्ट में सिविल टर्मिनल बनाया जा सकता है, इससे आई०जी०आई०ए०पी०, दिल्ली पर हवाई यातायात का दबाव कम होगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद वाराणसी एवं कानपुर की फ्लाइट को हिंडन एयरपोर्ट से जोड़ा जा सकता है। मुख्यमंत्री जी ने स्पाइस जेट के सी०एम०डी० अजय सिंह से प्रदेश के प्रमुख शहरों से स्पाइस जेट की हवाई सेवाएं शुरू करने का आह्वान किया। कार्यक्रम को केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति, सांसद मुरली मनोहर जोशी, सी०एम०डी० स्पाइस जेट अजय सिंह ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना, नागरिक उड्डयन मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' सहित जनप्रतिनिधिगण एवं शासन-प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

रे.स.ब्यूरो/सू.

Hubballi workshop Goes Clean & Green

RSB/Hubballi: General Manager /SWR A. K. Gupta, inspected Hubballi Railway Workshop on 10.07.2018. He has comm-issioned many new deve-lopmental works such as 999 Kwp (nearly 1 MWP) Solar Plant, Roller Bearing Cleaning Plant, New Shed for material storage etc. He was accom-panied by S. K. Gupta, Principal Chief Mechanical Engg., USS Yadav, Principal Chief Engineer, K. Shanmugaraj, Principal Chief Materials Manager, Ajay Kumar, Chief Works Manager, and other Senior Railway Officers. Hubballi workshop is 133 year old, established in 1885 and has since adopting with changing times continuously, to cater for maintenance of rail coaches. Shri A.K. Gupta, General Manager has reviewed the plans for workshop, availability of men, machinery and funds. He has discussed the perfo-rmance of workshop and various ongoing developmental works.

आजमगढ़ में प्रधानमंत्री ने किया पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का शिलान्यास

राज्य की विकास यात्रा में एक नए अध्याय की शुरुआत- मोदी

रे.स.ब्यू./संवा.। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का शिलान्यास किया। एक विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए, उन्होंने इस अवसर को राज्य की विकास यात्रा में एक नए अध्याय की शुरुआत बताया। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेत त्व की सराहना की और कहा कि राज्य सरकार राज्य में विकास के लिए एक अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार समाज के विभिन्न वर्गों की बेहतरी के लिए काम कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ३४० किमी लंबी पूर्वांचल एक्सप्रेसवे उन शहरों तथा नगरों का कायाकल्प कर देगी जिनसे होकर यह गुजरेगी। उन्होंने कहा कि यह दिल्ली और गाजीपुर के बीच भी द्रुत संपर्क उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि एक्सप्रेसवे के साथ साथ नए उद्योग एवं संस्थान विकसित होंगे। उन्होंने बताया कि एक्सप्रेसवे क्षेत्र में ऐतिहासिक महत्व के स्थानों में पर्यटन को भी बढ़ावा देगी। नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आज विकास के लिए संपर्क आवश्यक है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क चार सालों में लगभग दोगुना हो गया है। इस परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री ने वायु संपर्क एवं जल संपर्क के क्षेत्र में की गई पहलों की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि देश के पूर्व क्षेत्र को विकास के एक नए गलियारा के रूप में विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने 'सबका साथ सबका विकास' के अपने विजन को दुहराया और क्षेत्र के संतुलित विकास पर जोर दिया। डिजिटल कनेक्टिविटी के बारे में उन्होंने उल्लेख किया कि अभी तक एक लाख पंचायतों के लिए आप्टिकल फाइबर कनेक्टि-विटी उपलब्ध कराए गए हैं और यह भी कहा कि तीन लाख समान सेवा केंद्र लोगों के जीवन को सरल बना रहे हैं। प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना एवं केंद्र सरकार की अन्य कल्याणकारी योजनाओं जैसी विकास पहलों की चर्चा की। उन्होंने खरीफ फसलों के एमएसपी में हाल की बढोतरी का भी उल्लेख किया, जिससे किसानों को लाभ पहुंचेगा। प्रधानमंत्री ने कुछ तत्वों द्वारा उस कानून को बाधित किए जाने की आलोचना की जिससे 'तीन तलाक' से मुस्लिम महिलाओं को सुरक्षा मिलेगी। उन्होंने इस कानून को एक वास्तविकता बनाने के प्रयासों के प्रति द ढ़ संकल्प जताया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार एवं उत्तर प्रदेश राज्य सरकार दोनों के लिए ही राष्ट्र और इसके लोग सबसे अधिक महत्वपूर्ण हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने इस क्षेत्र के बुनकरों के लिए भी कदम उठाए हैं। इस परिप्रेक्ष्य में उन्होंने आधुनिक मशीनों, कम ब्याज पर ऋण एवं वाराणसी में व्यापार सुगमीकरण केंद्र का उल्लेख किया। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा की गई पहलों का भी उल्लेख किया।

SCR sets another Record. Becomes the 1st Zone on Indian Railways to become 100% LED Lit

RSB/Secunderabad: South Central Railway has become the first 100% LED (Light Emitting Diode) lit Zone on Indian Railways, achieving the milestone on 20th June, 2018, well before the target date of 30th June, 2018 set by Piyush Goyal, Hon'ble Minister of Railways. The 100% mark was achieved by providing 1, 64, 291 numbers of LED luminaries replacing the conventional bulbs in 23, 740 railway residential quarters on the Zone. This is expected to result in 35.4 lakh unit electrical energy saving amounting to Rs. 3 Crore per annum apart from reduction in carbon emission by 3187 tonnes per year. Earlier, South Central Railway had provided 1, 35, 417 numbers of LED luminaries to cover all its 733 railway stations and 1424 service buildings by March, 2018, which also was a first amongst all Zones. The commissioning of LED lighting at all residential quarters on the Zone, has added to make the Zone 100% LED lit now.The cumulative impact of total LED lighting on SCR is to the extent of 82 lakh units electrical energy savings, amounting to Rs. 7 Crore per annum for the Zone. The impact of carbon emission on SCR on account of this initiative will be cumulatively reduced by 7372 tonnes per year, sizably contributing to a greener environment. Vinod Kumar Yadav, General Manager, SCR congratulated the Principal Chief Electrical Engineer of the Zone, A.A.Phadke and the entire team of officers and staff of the electrical department for the achievement, which has added yet another feather to the cap of the Zone.

पाठक ध्यान दें

उक्त पत्रिका अपनी प्रकाशित पत्रिका रेल समाचार ब्यूरों आप सभी ग्राहकों/सदस्यों एवं विशिष्टि व्यक्तियों को नियमित भेजी जा रही है। कभी-कभी विद्युत आपूर्ति एवं प्रेस कर्मीयों के क्षणिक आभाव के कारण विलम्ब से पावती के लिये खेद वक्त करता है।

बाल श्रम रोकने के लिए ज़िम्मेदार विभाग मिलकर करें काम- रीता बहुगुणा जोशी

लखनऊ। महिला कल्याण, परिवार कल्याण, मातृ शिशु कल्याण मंत्री रीता बहुगुणा जोशी ने कहा कि बच्चों का स्थान स्कूल, घर और खेल-कूद की जगहों पर है। बचपन को वापस नहीं लाया जा सकता है, इसी समय बच्चे के पूरे जीवन की दिशा तय होती है। इसलिए बच्चों को हर हाल में श्रम से मुक्त कर उनके मौलिक अधिकारों को उपलब्ध कराना होगा। इसके लिए यद्यपि श्रम विभाग द्वारा उचित कानूनों के तहत कार्य किया जा रहा है पर अन्य विभागों को भी गम्भीरता से कार्य करना होगा। प्रो० जोशी सचिवालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में गत १२ जून २०१८ को बालश्रम निषेध दिवस पर समाचार पत्रों में बालश्रम पर प्रकाशित ख़बरों को संज्ञान में लेकर महिला कल्याण विभाग तथा चाइल्ड वेलफेयर सोसायटी (सी०डब्ल्यू० सी०) के सदस्यों के साथ समीक्षा बैठक कर रही थीं। बैठक में मंत्री जी द्वारा पूछे जाने पर अवगत कराया गया कि महिला एवं बाल विकास के माध्यम से चाइल्ड लाइन तथा बाल कल्याण समिति द्वारा वर्ष २०१७ में कुल ३१३ तथा वर्ष २१०८ में अब तक ११ बच्चों को बाल श्रम से मुक्त कराया जा चुका है तथा विभाग एवं समिति द्वारा यह अभियान निरन्तरता के साथ जारी है। बैठक में अवगत कराया कि बच्चों को श्रम से मुक्त कराने के लिए श्रम विभाग द्वारा ग ह विभाग के सहयोग से रैस्क्यू कैम्पेन चलाया जाता है जिससे बड़े स्तर पर कार्यवाही सम्भव हो पाती है। बैठक में महिला कल्याण विभाग के अधिकारी तथा बाल कल्याण समिति से डॉ० संगीता शर्मा सहित अन्य सदस्याएं भी उपस्थित थीं। रे.स.ब्यूरो/सू.

सम्पादकीय

पाकिस्तान को सबक कब तक

जम्मू कश्मीर में पीडीपी-भाजपा का गठबंधन के टूटने से आम जनता में पैदा हो रहे गुस्से और रोष को कुछ हद तक शांत किया है, वहीं सैनिकों के मन में कई प्रश्न भी उठने शुरू हो गए हैं कि आतंकी धटनाओं में शहीद जवान और उनकी बेवाओं के परिवार को केंद्र की सरकार आतंकियों को कब सबक सिखाएगी।

क्या कश्मीरी पंडितों और हिन्दुओं को जम्मू कश्मीर से पलायन रोक पायेगी। सबसे बड़ा सवाल सवाल आज भी यही है कि धारा ३७० कब हटेगी, धरती का स्वर्ग कहे जाने वाले घाटी में भारतीय नागरिकों के उद्दम से जुड़ा है। परन्तु कुर्सी की इस राजनीत ने कश्मीर की इस धरती को जन्नत की जगह दोजख़ में तब्दील कर दिया है।

इन हालातों कि जिम्मेदार केंद्र और राज्य सरकार दोनों ही हैं। अब अजीज़ आ गए यहाँ के नागरिकों को एक अच्छे परिणाम की जरूरत है जिससे घाटी में फिर से अमन और चैन की सांस लिया जा सके, वर्ना आगामी चुनाव में जनता वोटों से इसका हिसाब लेगी। आतंकी धटनाओं में शहीद जवान और उनकी बेवाओं के परिवार को न्याय कब मिलेगा।

भारतीय रेल ने बनाया नया कीर्तिमान, बनाये पांच घंटे में छह अंडरब्रिज

रे.स.ब्यूरो/संवा. नई दिल्ली। पूर्व तटीय रेलवे के संबलपुर मंडल ने नया कीर्तिमान बनाया जिसमें सभी मानवरहित रेल क्रासिंग को समाप्त करने के उद्देश्य से ६ सीमित ऊंचाई वाले सब-वे को लांच किया है और इसे ५ जुलाई, २०१८ को साढ़े चार घंटों की अल्प अवधि में पूरा किया है।६सीमित ऊंचाई वाले सब-वे का निर्माण न सिर्फ पूर्व तट रेलवे के संबलपुर डिविजन में बल्कि यह पूरे भारतीय रेल में अपनी तरह का पहला उदाहरण है। ६ सीमित ऊंचाई वाले सब-वे को लांच करने के साथ ही ओडिसा के कालाहांडी क्षेत्र में स्थित भवानीपटना-लंजीगढ़ सड़क खण्ड में ७ मानवरहित लेवल क्रासिंग गेट बंद कर दिए जाएंगे।चार घंटे में एक एलएचएस का निर्माण ही अपने आप में एक उपलब्धि है। इतनी सीमित अवधि में ६ एलएचएस का निर्माण ऐसा वाक्या है, जो पहले कभी नहीं सुना गया। ६ एलएचएस को लांच करने में कई चुनौतियां थी और मानसून का मौसम होने के बावजूद संबलपुर डिविजन ने चुनौती को अवसर में बदल दिया और एक ही बार में ६ एलएचएस को लांच करने का कार्य पूरा किया। इस प्रकार यह निर्माण भारतीय रेल के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित हुआ।

GM/SER felicitates six railway employees for exemplary safety works

RSB/Kolkata: S N Agrawal, GM, South Eastern Railway felicitated six employees of SER at its Headquarters, Garden Reach on 25.06.18 for their devotion to duties, safety consciousness and round the clock alertness during duties in their respective field. In recognition to their best and outstanding performance in safety related works, the six employees have been awar-ded. The names of the awardees and their work places are given as under:- Sri R Hembram, Head Constable, RPF Post, Sini, Chakradharpur Division ·Sri Gopal Chandra Mahato, Pointsma-A, Chhatna, Adra Division ·Sri R K Das, Electric Loco Pilot, Anara, Adra Division ·Sri A.K.Singh, Electric Loco Pilot, (Goods), Anara, Adra Division ·Sri Sukumar Singha, Hd. Peon, CSO's office/ Garden Reach ·Sri Manoj Kumar Kherual, Pointsman-A, Gidhni, Kharagpur Division.

पाठकों से

आपको यह अंक कैसा लगा,क पया अपने सुझावों, आलोचनाओं से अवश्य ही अवगत करायें इसमें आप और क्या परिवर्तन चाहते है। आपके पत्रों का हमें इंतजार रहेगा।

Ravindra Gupta, Member (Rolling Stock), Railway Board Chairs high level Carriage Maintenance Group Meeting of Indian Railways

RSB/Secunderabad: The 17th Carriage Maintenance Group Meeting of Indian Railways commenced on 22nd June, 2018 at Secunderabad. The two day meeting being held at the highest level nationally is being chaired by Ravindra Gupta, Member (Rolling Stock), Railway Board, New Delhi. High ranking officials from the Railway Board, Research Design and Safety Organization (RDSO), Chief Design Engineers from Production Units and Rolling Stock Engineers & Electrical Engineers from all over the Indian Railways are taking part in the deliberations. The two day meeting is focusing on issues pertaining to Passenger safety, Passenger comfort and improvement in aesthetics of the train coaches to fulfill high expectations of rail users. The meeting is also going to discuss on various environment friendly passenger conveniences like Bio-toilets, Cleanliness of stations and coaches, hygiene etc. The discussions are expected to identify measures for improvement in all the aspects of rail users satisfaction besides important issues of maintenance related to train running, like Punctuality and reliability. on the agenda, are also issues concerning use of latest material and improved technology in coach maintenance and disaster management including under water cutting equipment, foldable ramp for physically challenged persons, improvement in Braille system for visually challenged persons. Addressing the inaugural session of the meeting, Ravindra Gupta, Member (Rolling Stock), Railway Board stated that coach maintenance has undergone lot of changes in the recent times with the advent of new technology. Indian Railways is contemplating to retro fit all the coaches with Bio-toilets by March 2019. The challenges of maintaining the Bio-toilets need to be met by acquiring expertise and experimenting with technology. Adequate training should be given to the staff involved in the maintenance of Bio-toilets. Coach ventilation needs to be given priority by all the zones, taking further the initiative of some of the zones experimenting with it. Enhancing the use of Mechanized Coach cleaning and introduction of Quick Watering Plants will effectively meet the needs of Railways, he stressed.The Member (Rolling Stock) stated that a team of officials from Indian Railways will visit Germany to study and examine the Mechanized Coach maintenance facilities over there, so as to adopt on Indian Railways. He stressed on the need to ensure the quality of coach production so as to match the customer satisfaction levels. Vinod Kumar Yadav, General Manager, South Central Railway who also addressed the meeting, stated that Passenger transportation on Indian Railways has attained main focus, with user expectations rising in the areas of passenger amenities, Cleanliness and Punctuality. Railways are facing many challenges like maintenance of Bio-toilets, Passenger complaint management mechanism, Passenger safety and surveillance, maintenance of AC coaches, disable friendly coaches, cleaning of coaches, linen management etc. Value added initiatives such as installing digital temperature devices, provision of disposable towels to the AC coach passengers need to be examined for implementation. Reduction in coach maintenance time to facilitate running of more passenger services also needs to be examined, he added. A booklet on "Tech – Talk" highlighting Carriage Maintenance issues was released on the occasion. Virendra Kumar, Adviser (Mechanical Engineering), Railway Board, Shri Ashesh Agrawal, Senior Deputy General Manager, Arjun Mundiya, Principal Chief Mechanical Engineer, Arun Kumar Jain, Divisional Railway Manager, Hyderabad Division, SCR; Chief Electrical General Engineers & Chief Rolling Stock Engineers from all the Zones of Indian Railways were present.

All power is within you
You can do anything
and everything
(Swami Vivekananda)

उत्तर पश्चिम रेलवे में २५ स्टेशनों पर गुणवत्तायुक्त भोजन के लिये ई-केटरिंग की सुविधा

रे.स.ब्यूरो/संवा.जयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे के २५ स्टेशनों पर गुणवत्तायुक्त भोजन के लिये स्टेशन आधारित ई-केटरिंग की सुविधा प्रारम्भ की गई है। रेलवे द्वारा रेल यात्रियों को बेहतर और उत्कष्ट सेवाएं प्रदान करने के लिये नियमित रूप से कार्य किये जाते है। यात्रियों को यात्रा में यदि गुणवत्तायुक्त और पौष्टिक भोजन उपलब्ध हो जाये तो यात्रा में सुखद अनुभव आ जाता है। यात्रा के दौरान पौष्टिक और स्वास्थवर्धक भोजन यात्रा की सफलता का प्रमुख घटक होता है। जब यात्री परिवार सहित यात्रा करते है, तब उनका स्वस्थ रहना उच्च प्राथमिकता होती है।

यदि काई अकेले यात्रा करते है तब उस समय की मनोस्थति के अनुसार यात्री स्वास्थप्रद खाने को चुनते है। मेहमानों को विभिन्न प्रकार का भोजन उनकी पसंद एवं सुविधा के अनुसार उपलब्ध कराने हेतु आईआरसीटीसी द्वारा ई-कैटरिंग की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जन सम्पर्क अधिकारी तरूण जैन के अनुसार ई-कैटरिंग के माध्यम से खाना बुक करना बहुत सरल है। एक बार यात्री द्वारा अपना पीएनआर ''एप बॉक्स'' में लिखते ही आईआरसीटीसी ई-कैटरिंग द्वारा सभी कैफे, प्रतिष्ठान एवं तुरन्त सेवा प्रदान करने वाले रेस्टोरेंट्स की सूची दी जाती है। जिस ट्रेन में आप यात्रा कर रहे है उसे ध्यान में रखते हुए इन रेस्टोरेन्ट्स में से आप भी चुन सकते है। उनके मीनू को ब्राउज कर आप स्वयं और अपने साथियों के लिए मनपसंद खाने का ऑर्डर बुक कर सकते है। खाना ऑर्डर करने के लिए चार माध्यम है। वेबसाईट, मोबाईल साईट, एन्ड्राईड एप और एडमिन पैनल के माध्यम से ई-केटरिंग के माध्यम से खाना बुक करवाया जा सकता है।

हमारा लक्ष्य संरक्षा सुरक्षा एवं समय पालन

हमारे ग्राहक

"हमारे पास आने वाला हर ग्राहक एक महत्वपूर्ण अभ्यागत है। वह हम पर निर्भर नहीं है, बल्कि हम उस पर निर्भर हैं। वह हमारे काम में बाधक नहीं, साधक है। वह हमारी कार्य-सीमा से विलग नहीं है, बल्कि उसका ही अंग है। हम उसकी सेवा करके उस पर उपकार नहीं करते वरन् वह हमें सेवा का अवसर प्रदान कर हमें अनुग्रहीत करता है। ग्राहक से तर्क करना उचित नहीं है। उससे तर्क करके अभी तक किसी को सफलता नहीं मिली।"

महात्मा गांधी

इलाहाबाद जंक्शन में अवैध वेंडरों पर अंकुश लगाने हेतु चला सघन अभियान

रे.स.ब्यूरो/संवा. इलाहाबाद। स्टेशन में अवैध वेंडरों पर अंकुश लगाने हेतु दिनांक २२.०६.२०१८ को सघन अभियान चलाया गया, जिसमें इलाहाबाद स्टेशन पर साफ सफाई एवं यात्रियों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं का निरीक्षण किया गया तथा स्टेशन पर सफाई हेतु मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक एवं सफाई ठेकेदार को आवश्यक सुधार के निर्देश दिए गए। खान पान स्टाल पर खाद्य सामग्री की गुणवत्ता चेक किया गया साथ ही साथ ओवर चार्जिग तथा अवैध वेंडरों पर अंकुश लगाने हेतु सघन अभियान चलाया गया। प्लेटफार्म संख्या ६/१० के स्टाल न० १७ पर ओवर चार्जिंग की शिकायत संज्ञान में आने पर उक्त स्टाल पर रू १०,०००/- का जुर्मना किया गया।

इस अभियान के तहत इलाहाबाद जंक्शन पर ०४ अवैध वेंडर बबलू ,रवि, सुधीर और दीपक को पकड़ा गया जिन्हें सामान सहित जेल भेज दिया गया तथा इस अभियान के दौरान प्लेटफोर्म पर भारी मात्रा में अवैध खाद्य सामग्री बरामद की गई, जिसमें पेठा (२५० ग्राम)-१५० पैकेट ,रेवड़ी (२५० ग्राम)-६६५ पैकेट,पानी की ०१ लीटर की- ४७६ बोतल, मैंगो जूस (५०० उस)-२० बोतल, भगोना-०३, मिटटी तेल स्टोव-०२, प्लास्टिक ड्रम-०३,प्लास्टिक कैरेट-०५, दोना-३०, प्लेट -३०, चाय गिलास -१६, स्टील ट्रे-०३, टेबल-०१ पकड़ा गया पकड़ी गई सामग्री को LPO में जमा कराया गया तथा प्राप्त खाद्य सामग्री चावल,सब्जी,भटूरा, समोसा, बाटी, चोखा आदि को नष्ट कराया गया, इसके अतिरिक्त गाड़ी संख्या १२५८२ में बिना बुक लगेज के १५ बंडल पकड़े गए जिसमे खिलोने आदि थे जिसका वजन ६६२ किलो था इन बंडलों को भी LPO में जमा कराया गया। इलाहाबाद मंडल में अवैध वेंडरों पर अंकुश लगाने हेतु इस तरह का अभियान लगातार जारी रहेगा। इस अभियान में मंडल वाणिज्य प्रबंधक एवं सहायक वाणिज्य प्रबंधक के साथ वाणिज्य निरीक्षक राहुल दुबे,ज्ञानेश्वर पटेल, चेकिंग स्टाफ उपस्थित रहे।

यात्रियों से अनुरोध है कि अधिकृत खानपान स्टाल से ही खाद्य सामग्री खरीदें और रेल प्रशासन का सहयोग करें।

चौथे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग के प्रति दिखा जोश

रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष अश्वनी लोहानी ने नई दिल्ली में योग कार्यक्रम का किया नेतृत्व

प.सू.का./नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रेल मंत्रालय, प्रधान कार्यालय, बडौदा हाउस और दिल्ली मंडल, नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से योग दिवस का आयोजन किया गया। लखनऊ, मुरादाबाद अम्बाला और फिरोजपुर मंडलों पर भी योग दिवस का आयोजन किया गया। मुख्य कार्यक्रम नई दिल्ली के स्टेट एंट्री रोड पर स्थति अधिकारी क्लब में आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष, अश्वनी लोहानी, रेलवे बोर्ड के सदस्यगण, दिल्ली मंडल के मंडल रेल प्रबंधक सहित अनेक वरिष्ठ रेल अधिकारियों, कर्मचारियों व उनके परिवार के सदस्यों ने हिस्सा लिया।

चौबीसों घंटे अविराम चलने वाली रेलवे से जुडे कर्मचारियों को यह दायित्व पूरा करने के लिए बडे ही शारीरिक और मानसिक तनाव से गुजरना पड़ता है। रेलगाड़ियों को सुरक्षित चलाना सुनिश्चित करने के लिए निरंतर तनावों से जूझते रहने के कारण कर्मचारियों को जीवन शैली और स्वास्थ्य से जुडी परेशानियों से जूझना पडता है।

अपने दैनिक काम काज में इस तरह के दबावों से होने वाली परेशानियों को कम करने के लिए, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष, लोहानी ने नई दिल्ली में एक योग कार्यक्रम का नेतृत्व किया और अपने अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ स्वस्थ मन और शरीर के लिए आसन और प्राणायाम किए। उत्तर रेलवे के सभी मंडलों, कारखानों और उत्पादन इकाईयों में अलग-अलग स्थानों पर योग दिवस का आयोजन किया गया। कर्मचारी कल्याण के एक बडे समर्थक अश्वनी लोहानी ने भारतीय रेलवे के सभी कर्मचारियों की नियमित स्वास्थ्य जाँच द्वारा उनके स्वास्थ्य पर निगरानी रखने की शुरूआत की है।

उत्तर रेलवे ने कर्मचारियों की जीवन शैली से जुड़ी बीमारियों की जाँच करने के लिए इस दिशा में शानदार काम किया है। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक,विश्वेश चौबे ने कार्य स्थलों पर सकारात्मक रवैया अपनाने और केन्द्रित रहने पर बल दिया।

उत्तर पश्चिम रेलवे में चला बिना टिकट यात्रियों के विरूद्ध अभियान

रे.स.ब्यूरो/सू. जयपुर। बिना टिकट यात्रा करने पर लगाम कसने की कड़ी में उत्तर पश्चिम रेलवे लगातार सघन जाँच अभियान चला रहा है। ग्रीष्मकालीन अवकाश होने से उत्तर पश्चिम रेलवे पर यात्री भार अधिक होने के कारण इन अभियानों में गति लाई गई जिससे जून माह में ही रू० ३०,४६,०१५ का राजस्व प्राप्त किया गया। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी तरूण जैन के अनुसार उत्तर पश्चिम रेलवे के चारो मण्डलों अजमेर, बीकानेर, जोधपुर एवं जयपुर पर सभी रेलखण्डों में टिकट जाँच अभियान चलाये जा रहे है जिनमें उत्तर पश्चिम रेलवे मुख्यालय के वाणिज्य विभाग के अधिकारियों ने भी मण्डल अधिकारियों के साथ हिस्सा लिया। जैन ने बताया कि रेल परिसर एवं रेलगाड़ी में गंदगी फैलाने तथा धूम्रपान करने वालों के खिलाफ भी जाँच अभियान निरंतर चलाये जा रहे है। अवैध यात्रा तथा माल ले जाने वाले यात्रियों पर लगाम लगाने के लिए सघन टिकट जाँच अभियान भविष्य में भी जारी रहेंगे।

पाठकों से

आपको यह अंक कैसा लगा,कपया अपने सुझावों, आलोचनाओं से अवश्य ही अवगत करायें इसमें आप और क्या परिवर्तन चाहते है। आपके पत्रों का हमें इंतजार रहेगा।

प्रधान संपादक

भंडार विभाग का प्रथम तिमाही समन्वय बैठक महाप्रबंधक की अध्यक्षता में आयोजित

रे.स.ब्यूरो/सू. बिलासपुर । दक्षिण पूर्व मध्य रेलव के भंडार विभाग द्वारा आयोजित वर्तमान वित्तीय वर्ष के प्रथम तिमाही समन्वय बैठक दिनांक २१ जून, २०१८ को बिलासपुर के जोनल मुख्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई। जिसमें सुनील सिंह सोइन, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की सभा की अध्यक्षता की। इस बैठक में अपर महाप्रबंधक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे अनिल कुमार सहित प्रधान मुख्य सामग्री प्रबधंक, मुख्य सामग्री प्रबधंक, मंडल रेल प्रबंधक बिलासपुर एवं बिलासपुर, रायपुर, नागपुर व विभिन्न कारखानों के भंडार विभाग के अधिकारी उपस्थित हुए। इस बैठक में भंडार विभाग की संरचना, कार्य प्रणाली आदि के बारे बताते हुये सर्व प्रथम प्रधान मुख्य सामग्री प्रबधंक ऐ. एस. वानखेडे के द्वारा सभी का स्वागत किया एवं विगत वर्षो में प्राप्त की गई उपलब्धि के बारे में एवं आगामी योजनाओं के बारे में पावर पाइंट प्रेजेन्टेशन के माध्यम से बताया गया। इस बैठक में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के भंडार विभाग से संबंधित समस्त बातों पर चर्चा की गई एवं आगामी समय में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा किये जा रहे कार्यो के संदर्भ में एवं जोन के विकासात्मक कार्यो हेतु भंडार विभाग के द्वारा मेटरियल आपुर्ति से संबंधित विस्तार पूर्वक बाते की गई। जिसमें सभी विभागों को मेटरियल सप्लाई समय पर हो, डिपों के अंतर्गत मेटरियल की साप्लाई आबंटन, यथा समय सामग्री की उपलब्धता, डिपों के कार्य ई-मार्केटिंग के जरिये कार्य को किया जाना, स्क्रैब की सही समय में निपटान, तथा डिपो आदि से संबंधित कार्यो के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की गई एवं सभी विभागो को मेटरियल सप्लाई के बारे चर्चा की गयी। भंडार विभाग द्वारा इंजीनियरिंग विभाग, मैकेनिकल विभाग, विघुत विभाग, एवं इलेक्ट्रिकल लोकोमेटिव के आईटम की सप्लाई के कार्य के साथ-साथ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के समस्त विभागों के मेटरियल सप्लाई का कार्य करती है, जिसमें आने वाली कठिनाईयो के साथ उसे दुर करने के विषय पर गहन चर्चा हुई। इस अवसर पर सुनील सिंह सोइन, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने सभी भंडार विभाग के अधिकारियों को विगत वित्तीय वर्ष में १५१.०६ करोड रूपये के स्क्रैब विक्रय पर बधाई देते हुए भंडार विभाग के द्वारा ई-नीलामी एवं ई-टेंडरिंग अपनाने के लिए सराहा। उन्होंने आशा जताई की वर्तमान वित्तीय वर्ष में बोर्ड द्वारा दिये गये १७५ करोड रूपये के लक्ष्य को हम जरूर हासील कर लेगे। भंडार विभाग के सभी अधिकारियों को महाप्रबंधक ने निर्देश दिया कि संरक्षा से संबंधित आइटम एवं यात्री सुविधाओ से संबंधित आइटमो का स्टॉक बनाये रखें तथा उन्होंने परचेज एवं विक्रम में सावधानी बरते हुये नियमानुसार कार्य करते हुये रेलवे के सुचारू परिचालन के लिए अपना योगदान देने का निर्देश दिया। इस समन्वय बैठक के अंत में मुख्य सांमग्री प्रबंधक/ मैकेनिकल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

SOUTH EASTERN RAILWAY OBSERVES INTERNATIONAL YOGA DAY

RSB/Kolkata: South Eastern Railway observed the International Yoga Day at BNR Officers' Club, Garden Reach on 21-6-2018. Sri S N Agrawal, General Manager, SER inaugurated the Yoga Camp while Anirban Datta, Addl. GM, Principal Head of various Departments, a large number of staff and officers joined in the Yoga Programme with great enthu-siasm. Prominent yoga profe-ssionals from "Art of Living" recited the yoga hymns in the house full of silence and the magical meditation went on about two hours. GM, SER while inaugurating the Yoga Camp said that yoga is the way of living that aims towards a healthy mind in a healthy body. A man is physical, mental and spiritual being and yoga helps promote a balanced development for total wellness. Modern office life is over stressed with so many pressures and only a few minutes of yoga practice makes one feel rejuvenated and energized as it manages stress & anxiety and keeps one relaxing. Yoga is the golden key that can unlock the door to realize and unfold one's potentiality for success in life. Yoga practicing can also enhance logical thinking, self disciplines, will power and ultimately make the person more effective in job than earlier. The International Yoga Day was also observed at the Divisional Offices at Kharagpur, Adra, Chakradharpur and Ranchi in a befitting manner.

RAILTEL -AKANSHA SUPER 30, DEHRADUN STUDENTS CONTINUE TO EXCEL

27 students qualified in JEE Mains and 17 students crack JEE Advance

New Delhi: It was a proud moment for RailTel when 27 students of it's CSR initiative Akansha Super 30, Dehradun made it to JEE Mains out of which 17 students crack the JEE advance exam securing admission to premiere league engineering colleges like IIT, NIT and other Govt engineering colleges of India. Scripted in 2015, the success of Akansha Super 30, Dehradun is an innovative manifestation of RailTel's deep rooted commitment to social service. In a significant step, RailTel, in association with Centre for Social Responsibility and leadership, New Delhi, estab-lished a unit of Abhayanand Super 30 at Dehradun in 2015. The centre was named after it's Academic mentor Shri Abhayanand, ex-DGP/BIHAR, who has dedicated himself to this noble cause of coaching the under privileged for IIT. 30 underprivileged but talented students from different corners of Uttarakhand were provided free residential coaching and mentoring in this centre run by RailTel for 11 months for admission in reputed Engg. colleges like IIT, NIT and state engineering colleges. These students were selected on the basis of a written test which comprised of questions on Physics, Chemistry, Mathe-matics and Aptitude test. The shortlisted students had to undergo a rigorous interview which was designed to test their mental ability, quick thinking, concepts and career aspiration. This result is a symbol of triumph of talent over financial scarcity and lack of opportunity. The students of this centre come from poor socio economical background belonging to different occu-pation ranging from labourer to farmer. About RailTel:- RailTel Corporation a "Mini Ratna (Category-I)" PSU is one of the largest neutral telecom services providers in the country owning a Pan-India optic fiber network covering all important towns & cities of the country and several rural areas covering 70% of India's population. RailTel is in the forefront in providing nation-wide Broadband Telecom & Multimedia Network in all parts of the country in addition to modernization of Train operations and administration network systems for Indian Railways. With its Pan India high capacity network, RailTel is working towards creating knowledge society at various fronts and has been selected for implementation of various mission-mode Govt. of India projects in the telecom field.

उत्तर मध्य रेलवे यांत्रिक विभाग के ८८ रेलकर्मी हुए पुरस्कृत

रे.स.ब्यूरो/संवा. इलाहाबाद। उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय सूबेदारगंज में गुरूवार दिनांक १४.०६.२०१८ को वर्ष २०१७-१८ के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रधान मुख्य यांात्रिक इंजीनियर देवेन्द्र कुमार द्वारा यांात्रिक विभाग के ८८ रेल कर्मियों को नगद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

यांात्रिक विभाग के इन कर्मचारियों का चयन उत्तर मध्य रेलवे के तीनों मंडलों एवं तीनों यांात्रिक कारखानों से उनके कार्य के आधार पर किया गया था। कार्यक्रम के अंतर्गत सर्वश्रेष्ठ कोचिंग रेक की शील्ड इलाहाबाद मंडल को कानपुर शताब्दी के लिए, सर्वश्रेष्ठ कोचिंग डिपो की शील्ड झांसी मंडल को झांसी डिपो के लिए तथा सर्वश्रेष्ठ आर. ओ. एच. के लिए इलाहाबाद मंडल के जी.एम.सी. (कानपुर) को प्रदान किया गया। प्रधान मुख्य यांात्रिक इंजीनियर ने वर्ष २०१७-१८ में किये गये उल्लेसखनीय कार्यों का संक्षिप्त ब्यौरा प्रस्तुत किया तथा कर्मचारियों को अधिक सतर्कता से कार्य करते हुए रेलवे की संरक्षा एवं विश्वनसनीयता बढ़ाने पर जोर दिया। प्रधान मुख्या यांात्रिक इंजीनियर ने पर्यावरण संरक्षण, कार्यस्थल एवं अन्य जगहों की सफाई ,कार्य के दौरान संरक्षा के प्रति सजगता बरतने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के दौरान यांात्रिक विभाग के विभागाध्यक्ष और अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

मंडल रेल प्रबंधक इलाहाबाद द्वारा चुनार-चोपन खंड का निरीक्षण

रे.स.ब्यूरो/संवा.इलाहाबाद। मंडल रेल प्रबंधक अमिताभ ने मंडल के अधिकारियों के साथ दिनांक २६.०६.२०१८ को चुनार-चोपन खंड का विडो ट्रेलिंग निरीक्षण एवं स्टेशनों का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक महोदय ने चुनार, राबर्ट्सगंज, चुर्क एवं अगोरिखास स्टेशनों का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक महोदय ने चुनार स्टेशन के गार्ड रनिंग रूम, आर.पी.एफ बैरिक,बुकिंग आफिस,पी आर एस एवं यात्री विश्रामालय का निरीक्षण किया तथा यात्री सुविधा में व द्धि करने के निर्देश दिए।

इलाहाबाद मंडल भारतीय रेल का एक महत्वपूर्ण मंडल है जिसमे परिचालन क्षमता से अधिक गाड़ियों का संचालन किया जा रहा है जो एक चुनौती पूर्ण कार्य है। निरीक्षण के दौरान स्टेशन मास्टर कक्ष तथा पीने के पानी आदि का निरीक्षण किया एवं साफ सफाई के विशेष निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान स्टेशन मास्टर कक्ष, सेफ्टी उपकरण, रजिस्टरों का रख-रखाव, अग्निशमन यंत्र तथा स्टेशन पर स्वच्छता का निरिक्षण किया। ट्रैक के आस-पास तथा स्टेशनों पर सफाई के विशेष निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान स्टेशनों पर बिजली पानी व्यवस्था में सुधार तथा यात्री सुविधाओं में व द्धि करने के निर्देश दिए। साथ ही साथ सर्कुलेटिंग एरिया का भी निरीक्षण किया साथ ही सफा के विशेष निर्देष दिए।

तत्पश्चात राबर्ट्सगंज स्टेशन का निरीक्षण किया गया। स्टेशन मास्टर कक्ष में रजिस्टरों का रख-रखाव, अग्निशमन यंत्र तथा स्टेशन पर स्वच्छता का निरिक्षण किया तथा पीने के पानी आदि का निरीक्षण किया एवं साफ सफाई के विशेष निर्देश दिए तथा स्टेशन के प्रबंधन को देखते हुए मंडल रेल प्रबंधक महोदय द्वारा राबर्ट्सगंज स्टेशन को रु ५०००/- का पुरस्कार दिया गया।

इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक (इन्फ्रा) इनामुल हक़, वरि.मंडल अभियंता (प्रथम) अलोक कुमार, वरि.मंडल संकेत एवं दूरसंचार नीरज यादव, वरि.मंडल परिचालन प्रबंधक मनु प्रकाश दूबे, वरि.मंडल विधुत अभियंता/टी आर डी, अमिताभ शर्मा, मंडल वाणिज्य प्रबंधक अमन वर्मा, तथा मंडल के अन्य अधिकारी, पर्यवेक्षक एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

जबलपुर एवं भोपाल रेलवे स्टेशन पर महिलाओं के लिए लगाए गए सेनिटरी नैपकीन वेडिंग मशीन

जबलपुर। महिला यात्रियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए पश्चिम मध्य रेल महिला कल्याण संगठन द्वारा पश्चिम मध्य रेल के जबलपुर एवं भोपाल स्टेशनों पर सेनिटरी नैपकीन वेडिंग मशीन लगाए गए। यह मशीन जबलपुर स्टेशन के प्लेटफॉर्म नम्बर १ एवं ६ पर स्थित महिला प्रतिक्षालयों में तथा भोपाल स्टेशन के प्लेटफॉर्म नम्बर १ एवं ५ पर स्थित महिला प्रतिक्षालयों में लगाया गया है। इसके अलावा इटारसी, होशंगाबाद एवं बीना स्टेशनों पर भी सेनिटरी नैपकीन वेडिंग मशीन लगाए गए हैं। महिला यात्री इस मशीन से सेनिटरी नैपकीन प्राप्त कर सकतीं हैं। सेनिटरी नैपकीन वेडिंग मशीन से नैपकीन प्राप्त करने हेतु इस मशीन में निर्धारित स्थान पर ५ रुपये का सिक्का डालना होगा जिससे दो सेनिटरी नैपकीन प्राप्त होगी। रेल प्रशासन के द्वारा महिला यात्रियों की सुविधाओं हेतु उठाया गया यह एक महत्वपूर्ण एवं सराहनीय कदम है। रेलवे के इस कदम से महिला यात्रियों में हर्ष व्याप्त है। रेल प्रशासन यात्रियों को अधिक से अधिक सुविधा उपलब्ध कराने हेतु क त संकल्पित है।

हिन्दी भाषा रेल की भाषा
हिन्दी भाषा देश की भाषा

दक्षिण पूर्व रेलवे क्षेत्रीय रेल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक संपन्न

रे.स.ब्यू./संवा.कोलकाता। दक्षिण पूर्व रेलवे क्षेत्रीय रेल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष २०१८ (अप्रैल-जून) की दूसरी बैठक दिनांक २६.०६.२०१८ को एस. एन. अग्रवाल, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में ए. के. दत्तव, अपर महाप्रबंधक, संजीव मित्तल, मुख्यं राजभाषा अधिकारी एवं मुख्य प्रषासनिक अधिकारी (निर्माण), सभी विभागों के प्रधान विभागाध्यक्ष, सभी मंडलों के अपर मंडल रेल प्रबंधक एवं रेल कारखाना, खड़गपुर के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। बैठक का संचालन राजा राम प्रसाद उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने किया। इस बैठक में दक्षिण पूर्व रेलवे पर हो रहे राजभाषा कार्यो की समीक्षा की गई। मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी, संजीव मित्तल ने कहा कि फाइलों के शीर्ष द्विभाषी होनी चाहिए। कार्यालय में प्रयोग होने वाले रबड़ स्टाम्प का प्रयोग द्विभाषी रूप में करने को कहा। धारा (३) का अनुपालन शत-प्रतिशत हिंदी में करने की सलाह दी। महाप्रबंधक महोदय ने राजभाषा के प्रयोग-प्रसार को बढ़ाने के लिए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए, जिन पर अमल किया जाएगा। उन्होंने आगामी ०२ अक्टूबर को स्वसच्छता दिवस के अवसर पर स्वच्छता पर हिंदी स्लोगन, क्विज, नाटक, काव्य गोष्ठी आदि का आयोजन करने की सलाह दी। इससे रेल कर्मियों में स्वच्छकता के प्रति जागरूकता आएगी। बैठक में मंडलों से आए अधिकारियों ने अपने यहां राजभाषा में हो रहे विशेष कार्यों की जानकारी दी। अंत में आशा मिश्रा, राजभाषा अधिकारी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के बाद बैठक की कार्रवाई संपन्न हुई।

हमारे ग्राहक

"हमारे पास आने वाला हर ग्राहक एक महत्वपूर्ण अभ्यागत है। वह हम पर निर्भर नहीं है, बल्कि हम उस पर निर्भर हैं। वह हमारे काम में बाधक नहीं, साधक है। वह हमारी कार्य-सीमा से विलग नहीं है, बल्कि उसका ही अंग है। हम उसकी सेवा करके उस पर उपकार नहीं करते वरन् वह हमें सेवा का अवसर प्रदान कर हमें अनुग्रहीत करता है। ग्राहक से तर्क करना उचित नहीं है। उससे तर्क करके अभी तक किसी को सफलता नहीं मिली।"

महात्मा गांधी

३० सितम्बर, २०१८ तक खुले में शौच मुक्त हो प्रदेश

लखनऊ : प्रदेश के पंचायतीराज राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि मा० मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के निर्देशानुसार ३० सितम्बर, २०१८ तक प्रदेश को खुले में शौच मुक्त बनाया जाना है, जिसको ध्यान में रखते हुए सभी अधिकारी/कर्मचारी ईमानदारी से शौचालय निर्माण का कार्य कराना सुनिश्चित करें विभागीय अधिकारी योजनाओं का क्रियान्वयन सहीं ढंग से कराते हुए निर्धारित समय में कार्य पूर्ण करायें। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजना मा० मुख्यमंत्री जी एवं मा० प्रधानमंत्री जी के प्राथमिकता में है। यह बाते भूपेन्द्र सिंह चौधरी पंचायतीराज निदेशालय अलीगंज लखनऊ में विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए कही। पंचायतीराज राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने ओ०डी०एफ० ग्रामों की प्रगति व सत्यापन, ग्राम पंचायत विभाग योजना (जी०पी०डी०पी०), ग्राम पंचायतों द्वारा कराये जा रहे कार्यो की एक्सन-साफ्ट एवं प्रिया सॉफ्ट पर भौतिक एवं वित्तीय प्रगति, मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों, बहुउद्देशीय पंचायत भवन निर्माण की प्रगति, ग्रामीण अन्तत्येष्टि स्थल विकास के अन्तर्गत निर्मित हो रहे अन्त्येष्टि स्थलों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मा० मुख्यमंत्री संदर्भ एवं मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों का निस्तारण सभी अधिकारी प्राथमिकता के आधार पर समयानुसार कराना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर निदेशक पंचायतीराज आकाश दीप ने विभागीय योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी। इस अवसर पर विशेष सचिव पंचायतीराज प्रवीन लक्षकार, अपर निदेशक पंचायतीराज एस०के० पटेल, उप निदेशक श्रीमती प्रवीणा चौधरी, गिरीश चन्द्र रजक, योगेन्द्र कटियार सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

किसी भी प्रकार का ज्वलनशील एवं विस्फोटक पदार्थ लेकर रेल यात्रा ना करें।

रेलवे स्टेशन परिसरों के सौंदर्यीकरण के लिए मध्य रेलवे के बलहारशाह को प्रथम पुरस्कार

प.सू.का./नई दिल्ली। केन्द्रीय रेल तथा कोयला मंत्री पीयूष गोयल ने रेल भवन में स्टेशनों के सौंदर्यीकरण प्रतियोगिता में शामिल विजेता स्टेशनों को पुरस्कार प्रदान किया। यह प्रतियोगिता दिसंबर, २०१७ में क्षेत्रीय रेलों के बीच आयोजित की गई। इसमें मध्य रेलवे के बलहारशाह तथा चन्द्रपुर रेलवे स्टेशनों को पहला पुरस्कार, जबकि पूर्व-मध्य रेलवे के मधुबनी स्टेशन तथा दक्षिण रेलवे के मुदुरई स्टेशन को संयुक्त रूप से दूसरा पुरस्कार मिला। तीसरे पुरस्कार के संयुक्त विजेता रहे पश्चिम रेलवे का गांधीधाम स्टेशन, पश्चिम मध्य रेलवे का कोटा स्टेशन और दक्षिण-मध्य रेलवे का सिकंदराबाद स्टेशन। पीयूष गोयल ने इस प्रतियोगिता में शामिल कलाकारों को नकद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र दिए। इस अवसर पर रेल राज्य मंत्री राजेन गोहेन, रेल बोर्ड के अध्यक्ष अश्विनी लोहानी तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। पीयूष गोयल ने सुंदर बनाए गए सभी स्टेशनों के फोटो वाली पुस्तिका का अनावरण भी किया। रेल और कोयला मंत्री पीयूष गोयल के मार्गदर्शन में भारतीय रेल ने स्टेशनों के सौंदर्यीकरण के लिए नवाचारी पहल की है जिसके अंतर्गत स्थानीय कलाकारों, निजी समूहों तथा स्वयं सेवीओं की ओर से स्थानीय कला का उपयोग करते हुए स्टेशन का सौंदर्यीकरण किया जाता है। इसके तहत क्षेत्रीय रेलवे के ६२ से अधिक स्टेशनों का सौंदर्यीकरण किया गया है। यह कार्यक्रम उभरती प्रतिभाओं की अभिव्यक्ति के लिए मंच है। इस कार्यक्रम में शामिल स्टेशनों के बारे में निर्णय लेने के लिए रेल मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों की एक मूल्यांकन समिति बनाई गई।समिति ने स्टेशनों का मूल्यांकन स्थानीय विषय,संस्क ति प्रदर्शित किए जाने, कला समरूपता और कार्य गुणवत्ता के आधार पर किया। पुरस्क त प्रविष्टियों का चयन इस समिति की सिफारिशों के आधार पर किया गया जिसकी स्वीक ति रेल बोर्ड के अध्यक्ष द्वार दी गई। प्रविष्टियों को निम्नलिखित नकद पुरस्कार दिए गए। प्रथम पुरस्कारः बलहारशाह तथा चन्द्रपुर रेलवे स्टेशन (मध्य रेलवे)-१० लाख रुपये द्वितीय पुरस्कारः मधुबनी रेलवे स्टेशन (पूर्व-मध्य रेलवे) तथा मदुर रेलवे स्टेशन (दक्षिण रेलवे) ५ लाख रुपये तीसरा पुरस्कारः गांधीधाम रेलवे स्टेशन (पश्चिम रेलवे), कोटा रेलवे स्टेशन (पश्चिम-मध्य रेलवे) तथा सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन (दक्षिण-मध्य रेलवे) ३ लाख रुपये इस अवसर पर पीयूष गोयल ने ब्रिज मेनेजमेंट सिस्टम (आईआरबीएमएस) लांच किया। यह वेब सक्षम आई टी एप्लीकेशन है जिसमें ब्रिज मास्टर डाटा, वर्क डाटा, भारतीय रेल के पूलों का निरीक्षण/निगरानी तथा रख-रखाव कार्य से संबंधित डाटा का एकत्रीकरण, विशलेषण तथा प्रसार कार्य शामिल है।

आर.पी.एफ द्वारा किया गया सराहनीय कार्य

रे.स.ब्यू./संवा. इलाहाबाद। श्रीमती राजरानी उम्र लगभग ६५ दिनांक ०४.०७.२०१८ को अपने परिजनों के साथ गाडी संख्या-१२४२३ (डिब्रूगढ-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस) से पाटलिपुत्र (पटना) से नई दिल्ली जा रही थी। लगभग प्रातः ०४.३० बजे जब उनके परिजन ट्रेन में सो रहे थे, श्रीमती राजरानी ट्रेन से इलाहाबाद जंक्शन पर उतर गई,उन्हें परिजनों के साथ दिल्ली जाना था। कानपुर से पहले उनके परिजनों ने देखा की श्रीमती राज रानी कोच में नहीं हैं, तो उन्होंने फौरन ट्रेन में उपस्थित चेकिंग स्टाफ को सूचित किया तथा सूचना तत्काल आर.पी.एफ. पोस्ट को दी गई। आर.पी.एफ. स्टाफ द्वारा मानिकपुर स्टेशन पर श्रीमती राजरानी को गाड़ी से उतारा गया और उन्हें यू पी सम्पर्क क्रांति एक्सप्रेस द्वारा ले जा कर बाँदा स्टेशन पर उनके परिजनों को सौंप दिया गया। वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त अमरेश कुमार एवं मंडल रेल प्रबंधक अमिताभ ने आर पी एफ द्वारा किए गए कार्यों की सराहना किया है एवं यात्रियों की हर संभव मदद करने हेतु निर्देशित किया।

यात्रियों की सुविधा के लिए कुम्भ में रेलवे चलायेगा ८०० स्पेशल गाड़ियां

रे.स.ब्यू./संवा. इलाहाबाद। कुम्भ मेला २०१६ की तैयारियों के संबन्ध में मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय में रेलवे प्रशासन की सिविल प्रशासन के अधिकारियों के साथ दिनांक १४.०७.२०१८ को समन्वय बैठक का आयोजन हुआ, जिसमें मण्डल रेल प्रबन्धक/ इलाहाबाद अमिताभ, मण्डल रेल प्रबन्धक/ लखनऊ सतीश कुमार के साथ उत्तर रेलवे एवं पूर्वोत्तर रेलवे के अन्य अधिकारियों ने तथा सिविल प्रशासन से मण्डलायुक्त डा० आशीष गोयल, जिलाधिकारी सुहास एल.वाई., आई .जी./रेंज रमित शर्मा, एस.एस.पी. नितिन तिवारी, नगर निगम के अधिकारियों एवं उत्तर प्रदेश परिवहन के क्षेत्रीय अधिकारी तथा सिविल प्रशासन के अन्य अधिकारियों ने भाग लिया। कुम्भ मेले के दौरान उत्तर मध्य रेलवे द्वारा ६२२ पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा ११० तथा उत्तर रेलवे द्वारा ६८ कुल ८०० मेला स्पेशल गाड़ियाँ चलाए जाने की तैयारी की जा रही है। कुम्भ मेला मीटिंग के दौरान इलाहाबाद, प्रयाग, प्रयाग घाट ,इलाहाबाद सिटी, नैनी, छिवकी, सुबेदारगंज स्टेशन पर विशेष तैयारियां की जा रही हैं जिसके अन्तर्गत इलाहाबाद जंक्शन पर ०४ आधुनिक आश्रय स्थल तथा छिवकी में ०२ एवं नैनी में ०३ आश्रय स्थल बनाये जा रहे है। भीड़ को नियंत्रित करने हेतु कुम्भ मेला के दौरान नियमित मेल एक्सप्रेस गाडियों को आवश्यकता-नुसार सुबेदारगंज, मिर्ज़ापुर तथा विन्ध्याचल स्टेशन पर ठहराव दिया जायेगा ,वाराणसी जाने वाले यात्रियों को झूंसी में तथा कानपुर जाने वाले यात्रियों को सुबेदारगंज एवं मानिकपुर, बाँदा,झाँसी जाने वाले यात्रियों को नैनी स्टेशन पर गाड़ी पकड़ने हेतु प्रेरित किया जायेगा तथा फ़ैजाबाद, लखनऊ से आने वाले यात्रियों को प्रयाग स्टेशन पर उतर कर संगम जाने हेतु प्रेरित किया जायेगा तथा फ़ैजाबाद ,जौनपुर ,लखनऊ जाने वाले यात्रियों को प्रयाग घाट स्टेशन पर गाड़ी में बैठने का अनुरोध किया जायेगा ।कुम्भ मेला के दौरान इलाहाबाद सिटी स्टेशन से मेला स्पेशल गाडियों को PF न ०१ से चलाया जायेगा तथा नैनी स्टेशन के PF न ०१ से मुग़ल सराय तथा PF न ०३ से मानिकपुर साइड के यात्रियों को भेजा जायेगा तथा मानिकपुर साइड से आने वाली स्पेशल गाड़ियों को छिवकी स्टेशन पर टरमिनेट किया जायेगा। कुम्भ मेला के दौरान इलाहाबाद जं पर सिटी साइड से प्रवेश एवं सिविल लाइंस साइड से निकास की व्यवस्था रहेगी तथा इलाहाबाद जं के PF न ०१ से मानिकपुर,झाँसी,जबलपुर तथा PF न ०२/०३ से कानपुर की तरफ तथा मुग़लसराय जाने वाली मेला स्पेशल गाड़ियों को PF न ०४/०६ से चलाया जायेगा। सिविल प्रशासन द्वारा बनाये गए कंट्रोल कक्ष में रेलवे तथा रेलवे के कंट्रोल में सिविल प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहेगे तथा भीड़ को नियंत्रित करने हेतु बहुत से होल्डिंग एरिया बनाए जा रहे है इलाहाबाद जं पर विभिन्न दिशाओ में जाने वाले यात्रियों को ०४ आश्रय स्थलों में रखा जायेगा और उनकी सुविधानुसार स्पेशल गाड़ियों से भेजा जायेगा। इलाहाबाद जं पर भीड़ बढ़ने पर यात्रियों को खुसरूबाग, एंग्लो बंगाली ,सी ए वी, के पी इंटर कालेज में रोका जायेगा। इस अवसर पर जिलाधिकारी सुहास एल वाई ,वरि. पुलिस अधीक्षक नितिन तिवारी,मेलाधिकारी विजय आनंद तथा सिविल प्रशासन एवं उत्तर रेलवे,पूर्वोत्तर रेलवे तथा इलाहाबाद मंडल के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

डाक्टर, नैतिकता और ईमानदारी के उच्च मानदंडों का करें पालनः उपराष्ट्रपति

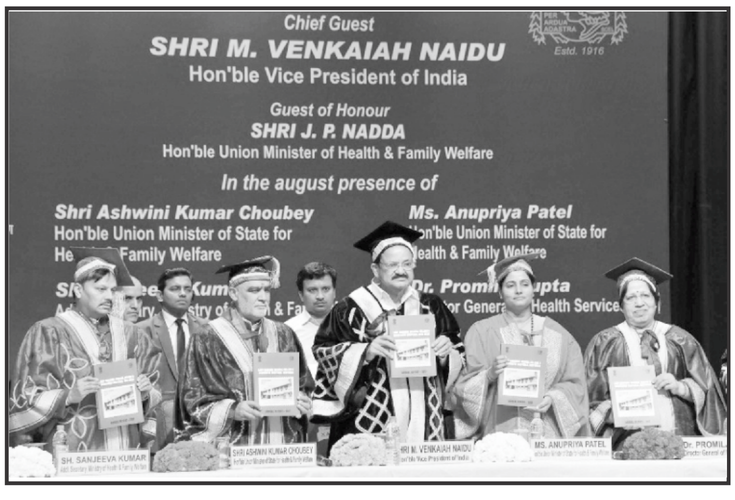

प.सू.का./नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति एम वैंकेया नायडू ने कहा है कि स्वस्थ भारत के लिए स्वच्छ भारत पहली शर्त है। वह लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्यमंत्री अश्विनी कुमान चौबे तथा अनुप्रिया पटेल और कई अन्य गणमान्य लोग इस अवसर पर उपस्थित थे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि मेडिकल कालेजों के शिक्षकों का काम सिर्फ युवाओं को चिकित्सा ज्ञान और कौशल प्रदान करना ही नहीं बल्कि उन्हें एक ऐसा सजग नागरिक भी बनाना भी है जो नैतिक मूल्यों और ईमानदारी के उच्च मानदंडों का पालन करें। उन्होंने कहा कि ऐसी मान्यता है कि एक वर्ष की योजना बनाने वाला व्यक्ति अनाज उपजाता है, १० वर्ष की योजना बनाने वाला फल देने वाले वक्ष लगाता है और कई पीढ़ियों की योजना बनाने वाला एक संपूर्ण मानव तैयार करता है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि स्वस्थ भारत के लिए स्वच्छ भारत पहली शर्त है जिसके लिए जनस्वास्थ्य सेवा विशेषज्ञों, पेशेवरों, स्थानीय निकायों और सामुदायिक संस्थाओं को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने आगे कहा कि देश भर के ग्रामीण क्षेत्रें में पर्याप्त स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव और चिकित्सकों तथा अर्ध चिकित्सों की कमी एक बड़ी चुनौती है। इसके लिए देश को मेडिकल कालेजों या फिर अर्द्धचिकित्साक मयों के रूप में बड़ी संख्या में मानव संसाधन की आवश्यकता होगी। नायडू ने कहा,"हमारे देश में डाक्टरों को भगवान के समकक्ष माना गया है। ऐसे में चिकित्सा के पेशे में शामिल होने वाले सभी लोगों की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह उन रोगियों के विश्वास और भरोसे को कायम रखें जो उनसे उपचार करा रहे हैं।" उन्होंने डाक्टरों को सलाह दी की वह अपने पेशे में हर स्तर पर नैतिकता और ईमानदारी के उच्च मानदंडों को बनाए रखें। उन्होंने कहा,"मुझे पूरा विश्वास है कि लेडी हा डग मेडिकल क लेज के सभी छात्र इस प्रतिष्ठित संस्थान की परंपरा को आगे लेकर जाएंगे और एक स्वस्थ भारत के निर्माण में योगदान करेंगे।" उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्राचीन भारतीय परंपरा के अनुसार डाक्टरों का नाम पूरी श्रद्धा के साथ लिया जाता है, उन्हें वैद्यो नारायणो हरिथि कहा गया है। उन्होंने डाक्टरों से कहा, "आप जिस महान पेशे से जुड़े हैं उसमें रोगों को समझने उसके निदान और उसके उपचार के सामर्थ्य वाला दिव्य स्पर्श शामिल है।"

हमारा लक्ष्य संरक्षा सुरक्षा एवं समय पालन

लोक निर्माण विभाग उपलब्ध करायेगा युवाओं को रोजगारः केशव मौर्य

लखनऊः लोक निर्माण विभाग ने युवाओं को अधिकाधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है।

इसी कड़ी में विभिन्न श्रेणी के तकनीकी रूप से दक्ष युवाओं का पंजीकरण चाणक्य सॉफ्टवेयर के माध्यम से किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि अब तक विभिन्न श्रेणियों में ७६२ पंजीकरण कराये जा चुके हैं। पंजीकरण का विस्त त ब्यौरा देते हुए उन्होंने बताया कि अब तक ए श्रेणी में २६८, बी श्रेणी में ११६, सी श्रेणी में १११, डी श्रेणी में २८१ और ई श्रेणी में १६ पंजीकरण हुए हैं।

उन्होंने कहा कि यह पूरी पक्रिया पारदर्शी है और प्रदेश के ऐसे नवयुवक जो विभाग में निर्माण कार्य करने के इच्छुक है अपना पंजीकरण करा सकते हैं, उनके लिए यह एक बहुत ही सुगम माध्यम है।

मौर्य ने ऐसे युवाओं से अपील की कि जो निर्माण कार्यो में तकनीकी रूप से दक्ष हैं आगे आयें और लोक निर्माण विभाग के विभिन्न श्रेणी के निर्माण कार्यो से जुड़कर देश के विकास में भागीदार बनें।

हिन्दी भाषा रेल की भाषा हिन्दी भाषा देश की भाषा

ECoR TO RUN 184 SPECIAL TRAINS DURING RATH YATRA

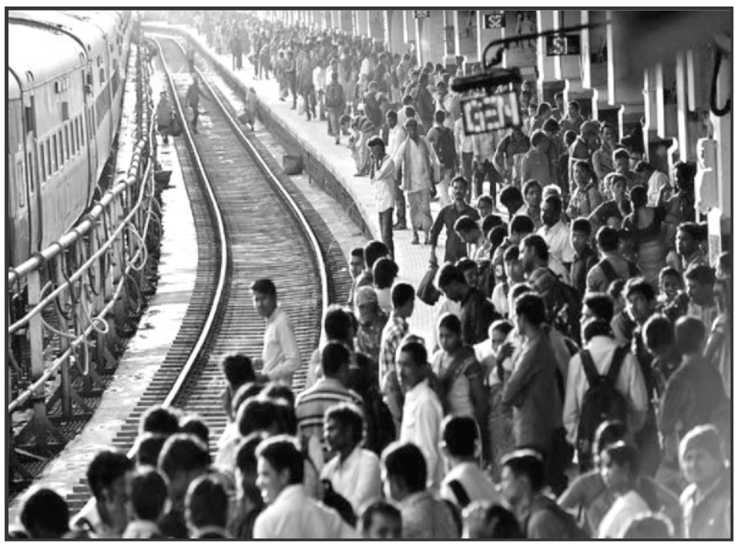

RSB/Bhubaneswar: Railways have planned to facilitate pilgrims with 184 Special trains leaving from its jurisdiction towards Puri and vice-versa, apart from the Special trains from neighboring States during Rath Yatra period. _SPECIAL TRAINS FOR GUNDICHA YATRA (14.07.2018)_ 14 Special trains will run towards Puri for Gundicha Yatra. one Special from Visakhapatnam, one from Kharagpur, one from Shalimar and one from Junagarh Road will leave on 13th September, 2018 from the originating Stations to Puri. 10 Special trains includes one each from Bangiriposi, Kendujhargarh, Bhadrak, Cuttack, Paradeep, Brahmapur, Palasa and three from Khurda Road will run towards Puri on 14th July, 2018. In the return directions, 14 Special trains will leave from Puri includes one each towards Visakhapatnam, Kharagpur, Shalimar, Junagarh Road, Bangiriposi, Kendujhargarh, Bhadrak, Cuttack, Paradeep, Brahmapur, Palasa and three towards Khurda Road on Gundicha Yatra day. _SPECIAL TRAINS FROM 15th to 20th JULY, 2018_ 24 Special trains will run to and from Puri between 15th July to 20th July, 2018. one pair of special will run between Bangiriposi and Puri during the period. 03 Special trains from Khurda Road will run towards Puri. 02 Special trains to Khurda Road and one Special to Bhubaneswar will also run during the period. _SPECIAL TRAINS FOR SANDHYA DARSHAN (21.07.2018)_ 08 Special Train will run for Sandhyadarshan on 21st July, 2018. one pair of special will run between Bangiriposi & Puri and 03 pairs of Special trains will run between Khurda Road & Puri from both the directions. _SPECIAL TRAINS FOR BAHUDA YATRA (22.07.2018)_ 13 Special trains will run towards Puri for Bahuda Yatra. one Special from Visakhapatnam, one from Shalimar and one from Junagarh Road will leave on 21st September, 2018 from the originating Stations to Puri. 10 Special trains includes one each from Bangiriposi, Kendujhargarh, Bhadrak, Cuttack,Paradeep, Brahmapur, Palasa and three from Khurda Road will run towards Puri on 22nd July, 2018. In the return directions, 13 Special trains will leave from Puri includes one each towards Visakhapatnam, Shalimar, Sambalpur, Bangiriposi, Kendujhargarh, Bhadrak, Cuttack, Paradeep, Brahmapur, Palasa and three towards Khurda Road on Gundicha Yatra day. _SPECIAL TRAINS FOR SUNAVESHA (23.07.2018)_ 13 Special trains will run towards Puri for Sunavesha. one Special from Shalimar will leave on 22nd September, 2018 towards Puri. 12 Special trains includes one each from Sambalpur, Bangiriposi, Kendujhargarh, Bhadrak, Cuttack, Paradeep, Brahmapur, Palasa, Visakhapatnam and three from Khurda Road will run towards Puri on 23rd July, 2018. In the return directions, 13 Special trains will leave from Puri includes one each towards Visakhapatnam, Shalimar, Junagarh Road, Bangiriposi, Kendujhargarh, Bhadrak, Cuttack, Paradeep, Brahmapur, Palasa and three towards Khurda Road on Sunavesha day. _SPECIAL TRAINS BETWEEN KHURDA ROAD & NAYAGARH TOWN on GUNDICHA, SANDHYA DARSHAN, BAHUDA & SUNAVESHA_ 03 pairs of Special trains will run between Khurda Road & Nayagarh Town from both the directions on Yatra days like Gundicha on 14th, Sandhya Darshan on 21st, Bahuda on 22nd and Sunavesha on 23rd July, 2018. Similarly, 02 pairs of Special trains between Khurda Road and Nayagarh Town from both the directions will run between 15th to 20th July, 2018. Services of 12891/12892 Bangiriposi-Bhubaneswar-Bangiriposi Express will be extended to Puri from 14th to 23rd July, 2018 having stoppages at Khurda Road and Sakhigopal and 58426/58425 Kendujhargarh-Bhubaneswar-Kendujhargarh passenger will be extended to Puri during the period and will be utilised as Special trains.

किसी भी प्रकार का ज्वलनशील एवं विस्फोटक पदार्थ लेकर रेल यात्रा ना करें।

South Central Railway attains peak punctuality record of 90 % for Mail/Express Trains

RSB/Secunderabad: South Central Railway (SCR) touched another landmark in terms of punctuality of Mail / Express Trains on its network, which attained 90 %, the best recorded during the entire year. This significant high in the priority area of train punctuality, comes in the wake of the interaction of Shri Piyush Goyal, Hon'ble Minister of Railways with Officers and staff of SCR recently, during which he exhorted the rail force to work with high motivational levels and the zeal to continiously better the performance levels.While SCR achieved the 90 % record in terms of punctual running of Mail/Express trains, the Nanded and Guntur Divisions of the Zone surpassed the same, reaching the peak of100 % punctuality for Mail / Express trains, a significant development in the endevaour towards meeting rail user satisfaction. The Minister of Railways, during his visit to Secunderabad on 15thJune, 2018 had sought that SCR should scale up its punctuality to 90 %. The impact of his words has been very positive, and SCR has been able to attain the target withintwo weeks from the time of his visit. Shri Vinod Kumar Yadav, General Manager, SCR congratulated Team SCR, Divisional Railway Manager's of all six divisions, the Principal Chief Operations Manager as well as the Chief Passenger Transportation Manager for answering the call of Hon'ble Rail Minister to attain the goals set. The General Manager wanted this spirit towards performance excellence to continue, so that punctuality is further increased, at the same time ensuring that Safety of rail operations continues to remain an area of prime focus. A planned multi-pronged initiative has been the key to SCR's success in attaining the 90 % record in its Mail / Express trains punctuality. The core area of track upgradation / maintanance and infrastructure works which are proceeding at a brisk pace all over the Zone has been restrategised by drawing up a planned time tabled schedule of trains so as to simultaneously keep punctuality to the maximum. The train blocks which basically are taken for undertaking track upgradation / maintenance and infrastructure works are being scientifically organized.This is done by planning for train blocks in specific non peak or silent period when the train movements are bare minimal in that part of the day/night so that the works are taken up during that time without causing any delay or just causing minimal delay to train services.The average numbers of trains each day vary with some days the services being lesser.Train blocks are planned on such days of lesser services to undertake maintenance/infra works. Scientific planning of trains getting regulated due to blocks is undertaken, so that the loose time is used to the maximum for covering up the delay so as to improve punctuality on further run till destination. Mega blocks too are envisaged, which offer scope to simultaneously take up multiple infra works within a fixed short duration of time, so that punctuality is not compromised. Amongst the other factors which have enabled enhance the punctuality performance on the Zone are, the meticulous monitoring being undertaken by Divisional Railway Managers and top officials of Operating department, respectively at the Divisional and Head Quarters level. Extensive multi department co-ordination has been instrumental in ensuring that every aspect of rail operations and maintenance is well synchronized and smoothly executed. Reduction in asset failures on account of improvement in maintenance practices has also contributed towards punctuality. Adding to this, the exercise to sensitize and motivate staff involved in rail operations towards meeting passenger expectations has added fresh energy, enabling a high degree of devotion towards duty so as to attain goals.The General Manager, Vinod Kumar Yadav has put a viable system into practice at various levels, specifically targeted to monitor punctuality. He has been holding regular video conferences with all the Principal Heads of Departments and Divisional Railway Managers to review punctuality performance. Officers of the Operating Department have been deputed round the clock to monitor and minimize detention of trains. The Additional General Manager is tasked with holding daily punctuality review meetings, where any instances of punctuality loss are discussed and analyzed in detail so as to overcome the short comings.

The Principal Chief Operations Manager and the Chief Passenger Transportation Manager interact with officials of the operating department at various levels so as to initiate remedial action where ever needed. The premier group of identified super fast trains, Duronto, Rajdhani, Shatabdi, Jan Shatabdi and Garib Rath trains are monitored at all levels. Innovative measures such as relaxation in long standing permanent speed restrictions in some sections, keen observance of asset failure and effective resolving of failures in quickest possible time, close monitoring of terminal stations to maintain punctuality of terminating / originating trains, ear marking separate locomotive powers at junction stations where reversal of train direction is required, has been a prime factor in enhancing the punctuality performance of SCR.

Vinod Kumar Yadav has set a goal to ensure that this betterment of punctuality standards on SCR remains a continuous process so that the Zone maintains its record as amongst the best performer on Indian Railways.

सोनभद्र जनपद में मुख्यमंत्री ने किया 590 करोड़ की लागत की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास

रे.स.ब्यू./संवा. लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार जनता के हितों पर ध्यान दे रही है। राज्य की वर्तमान सरकार गरीब/पात्र व्यक्तियों की पुत्रियों की शादी के लिए आर्थिक सहायता प्रदान कर रही है।

उन्होंने कहा कि सोनभद्र जनपद के पात्र व्यक्तियों को हर हाल में सरकार की योजनाओं से लाभान्वित किया जाए। सरकार समाज के अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्तियों को सुविधा प्रदान करके पं० दीनदयाल उपाध्याय जी के सपनो ं को पूरा कर रही है। मुख्यमंत्री जनपद सोनभद्र में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना व जन-कल्याणकारी योजनाओं के लोकार्पण /शिलान्यास समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि १००१ जोड़ों की शादी में राज्य सरकार का शामिल होना और इसे सम्पन्न कराना एक सराहनीय कार्य है।

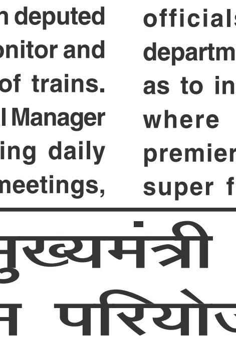

१००१ जोड़ों की शादी एक साथ सामूहिक विवाह के रूप में कराना एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह कार्यक्रम में सभी गरीब की बेटियों का कन्यादान एक पुण्य दान है। उन्हाने सभी लोगों को दहेज रहित शादी किए जाने के संकल्प लेने का आह्वान किया। साथ ही, कहा कि बेटी बचाओ पर बल दिया जाए। प्रदेश सरकार सभी गरीब/ पात्र की बेटियों के लिए ३५-३५ हजार रुपए खर्च करके शादियां करा रही है। भूतत्व एवं खनिकर्म राज्यमंत्री श्रीमती अर्चना पाण्डेय ने मुख्यमंत्री जी सहित आयोजकों व जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर समाज कल्याण मंत्री रमापति शास्त्री, ग्राम्य विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ० महेन्द्र सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, शासन-प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

पाठक ध्यान दें

उक्त पत्रिका अपनी प्रकाशित पत्रिका रेल समाचार ब्यूरों आप सभी ग्राहको/सदस्यों एवं विशिष्टि व्यक्तियों को नियमित भेजी जा रही है। कभी-कभी विद्युत आपूर्ति एवं प्रेस कर्मीयों के क्षणीक आभाव के कारण विलम्ब से पावती के लिये खेद वक्त करता है।

हमारे ग्राहक

"हमारे पास आने वाला हर ग्राहक एक महत्वपूर्ण अभ्यागत है। वह हम पर निर्भर नहीं है, बल्कि हम उस पर निर्भर हैं। वह हमारे काम में बाधक नहीं, साधक है। वह हमारी कार्य-सीमा से विलग नहीं है, बल्कि उसका ही अंग है। हम उसकी सेवा करके उस पर उपकार नहीं करते वरन् वह हमें सेवा का अवसर प्रदान कर हमें अनुग्रहीत करता है। ग्राहक से तर्क करना उचित नहीं है। उससे तर्क करके अभी तक किसी को सफलता नहीं मिली।"

महात्मा गांधी

कोयला खान निगरानी को 'खान प्रहरी' एप लांच

प.सू.का./नई दिल्ली। केन्द्रीय कोयला, रेलवे, वित्त एवं कारपोरेट मामलों के मंत्री पीयूष गोयल ने नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में सीआईएल की सहायक कंपनी रांची स्थित सीएमपीडीआई एवं भास्कराचार्य इंस्टीट्यूट आफ स्पेस एप्लीकेशन एंड जियो-इन्फ रमैटिक्स (बिसाग) द्वारा विकसित मोबाइल एप्लीकेशन 'खान प्रहरी' और कोयला खान निगरानी एवं प्रबंधन प्रणाली (सीएमएसएमएस) लांच की। गोयल ने इस अवसर पर कहा कि देश में विशेषकर उन क्षेत्रों में अवैध खनन एक गंभीर समस्या है, जहां कोयला खनन का काम होता है। अवैध कोयला खनन से न केवल राष्ट्र के संसाधनों का भारी नुकसान होता है, बल्कि यह पर्यावरण के लिए भी नुकसानदेह है। उन्होंने कहा कि कोयला मंत्रालय इस तरह की गतिविधियों में हरसंभव कमी करने के साथ-साथ इनकी रोकथाम हेतु उपयुक्त कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि अवैध कोयला खनन की रोकथाम न केवल राष्ट्रीय संसाधनों की बचत करने, बल्कि इस तरह के लोगों का जीवन स्तर बेहतर करने के लिए भी जरूरी है। मंत्री ने कहा कि कोयला मंत्रलय ने 'कोयला खान निगरानी एवं प्रबंधन प्रणाली (सीएमएसएमएस)' नामक एक वेब जीआईएस एप्लीकेशन और 'खान प्रहरी' नामक एक मोबाइल एप विकसित करके इस दिशा में बड़ी पहल की है। कोयला मंत्रालय में संयुक्त सचिव आशीष उपाध्याय भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

सफर के दौरान पहचान पत्र खोने पर ना हों निराश

प.सू.का./नई दिल्ली। अब रेल सफर के दौरान पहचान पत्र खोने या ना होने की स्थिति में यात्रियों को निराश होने की जरूरत नहीं है, क्योंकि रेलवे में अब डिजीलाकर के पहचान पत्र होंगे मान्य। इसके लिए रेलवे ने सभी क्षेत्रीय महाप्रबन्धकों को संदेश के जरिये आधार और ड्राइविंग लाइसेंस स्वीकार करने को कहा है। रेल मंत्रालय ने डिजिटल लाकर से वैध पहचान प्रमाण के रूप में प्रस्तुत किये जाने वाले आधार और ड्राइविंग लाइसेंस के विषय की समीक्षा की और यह निर्णय लिया गया है कि ट्रेन में यात्रा करते समय यात्री अपने डिजिटल लाकर एकाउंट के 'जारी दस्तावेज' सेक्शन से आधार/ड्राइविंग लाइसेंस दिखाते हैं तो इन पहचानों को वैध प्रमाण माना जाएगा लेकिन यह स्पष्ट किया जाता है कि यूजर द्वारा 'अपलोडेड डाक्यूमेंट' में अपलोड किये गए दस्तावेज पहचान के वैध प्रमाण नही माने जायेंगे।

पाठक ध्यान दें

उक्त पत्रिका अपनी प्रकाशित पत्रिका रेल समाचार ब्यूरों आप सभी ग्राहको/सदस्यों एवं विशिष्टि व्यक्तियों को नियमित भेजी जा रही है। कभी-कभी विद्युत आपूर्ति एवं प्रेस कर्मीयों के क्षणीक आभाव के कारण विलम्ब से पावती के लिये खेद वक्त करता है।

प्रधान सम्पादक एवं प्रकाशक: ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव

मुद्रक- एस.एस. प्रिन्टर्स, ाघम्बरी अल्लापुर, इलाहाबाद। से मुद्रित वं कैम्प केन्द्रीय कार्यालय ५०२, पंचशिला त्रवेणी रोड, इलाहाबाद। (वितरण केन्द्र) `न्द्रीय कैम्प कार्यालय ८४/३६ आर्य नगर हाड़गंज नई दिल्ली-५६ फोन नं. -०५३२-२४१८०४० फैक्स नं- ०५३२-२५५८८४७ आर.एन.आई नं. ५१०६७-६०- ोस्ट ए.डी-८ कम्पूटीरक त प्रेस इ. ब्लाक वर्स जीरो रोड, इलाहाबाद

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र इलाहाबाद होगा

अगले अंक में

१. मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन
२. नहीं रुक रही है स्टेशनों पर अवैध वेंडिंग।
३. वित्तीय वर्ष २०१७-१८ में टिकट चेकिंग आय में हुई अभूतपूर्व व द्धि।
४. रेल मन्त्रालय द्वारा जारी पत्रों की सुनवाई।
५. रेल विभागीय द्वारा जारी पत्रों पर सुनवाई।
६. महाप्रबंधक द्वारा अत्याधुनिक रेल प्रगति पर अपने विचार।
७. रेल मजदूर यूनियन का आपसी तालमेल।
८. पिछड़ी जातियों को रेल में कितना दखल।
९. रेल राजपत्रित अधिकारियों के कानूनी प्रकार।

सभी डी.आर.यू.सी.सी.सदस्यों को नामित होने पर हार्दिक बधाई

उक्त पत्रिका आपको नियमित रूप से भेजी जा रही है,क पया अपने परिक्षेत्र में हुए रेल सुधारों /सुझावों के बारे में अपना लेख प्रकाशन हेतु हमें भेजने की क पा करें।

प्रधान सम्पादक- ज्ञानेंद्र कुमार श्रीवास्तव
मो. 9793956044

रेल कर्मी-मैरिज ब्यूरो

सभी रेल कर्मियों के सुविधा हेतु मैरिज ब्यूरो सम्बन्धी एक बाक्स प्रकाशित किया जा रहा है। जिसमें रेल कर्मी मात्र एक सौ रूपये भेज कर वर-बधु का परिचय पत्र तीन बार प्रकाशित करा सकते हैं।

ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव - प्रधान संपादक रेल समाचार ब्यूरो
प्रधान सम्पादकः- रेल समाचार ब्यूरो
Phone : (0532) 2418040 Fax : (0532) 2558847
Mobile : 9793956044, 8826765066

संरक्षा नियमों का उल्लंघन दुर्घटना का आमंत्रण है।

Railway Passengers Safety & Amenities Association

Aim of the Society is to serve the Railway Passengers

Camp Office: House No. 8439, Arya Nagar
Paharganj, New Delhi-55
(U.P.)
(M) 9793956044,8826765066
E-mail:railsamacharbureau@rediffmail.com
Vice Chairman
Gyanendra Kumar Srivastava

Regd. Office : 502, Punchsilla,
Triveni Road, Kydganj Allahabad.
Ph. : 2418040 Fax : 0532-2558847
(M) 9793956044, 8826765066
Office Sect. :
S. Katar, Jawahar

उक्त संगठन में आप भी सदस्य होकर रेल यात्रियों की सेवा कर सकते हैं। शीघ्र मिले या पत्र व्यवहार करें।